MUMBAI TARANG

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

निडर होने का अर्थ
यह नहीं कि व्यक्ति
मर्यादा का उल्लंघन
करने से भी डरना छोड़ दे!

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

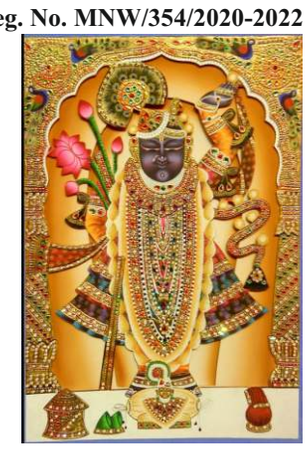

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-11 ❖ मुंबई ❖ रविवार 06 से 12 मार्च 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
IPS रश्मि शुक्ला को 25 मार्च तक गिरफ्तारी से राहत, बॉम्बे HC का आदेश, अवैध फोन टैपिंग का है आरोप

पेज 5
सुरक्षित वतन वापसी:यूक्रेन से लौटे सूरत के 36 बच्चे, पोलैंड में जो भाई-बहन बिछड़ गए थे; वे सूरत में आकर मिले

पेज 7
महाशिवरात्रि पर एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर एकता जैन ने लिया 'अर्धनारीश्वर' का रूप

पेज 8
के सेरा सेरा ने देश के पहले वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो को बनाने के लिए महेश भट्ट और विक्रम भट्ट के साथ हाथ मिलाया

दो करोड़ की वसूली के मामले में गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला के खिलाफ केस दर्ज

जेल में बंद गैंगस्टर एजाज लकड़ावाला के खिलाफ शहर के एक होटल व्यवसायी से दो करोड़ रुपये की जबरन वसूली करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि होटल व्यवसायी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को लकड़ावाला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता वकोला का रहने वाला है। उसने आरोप लगाया है कि जून 2013 से 2017 के बीच उसे लकड़ावाला से कई बार धमकी मिली थी और इस दौरान दो करोड़ रुपये की मांग भी की गई थी। उन्होंने बताया कि आरोपी ने वसूली की मांग पूरी नहीं होने पर शिकायतकर्ता को गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी। अधिकारी के अनुसार होटल व्यवसायी ने उस समय लकड़ावाला और उसके साथियों के डर से शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। उन्होंने बताया कि जांच के लिए मामला मुंबई अपराध शाखा की वसूली रोधी शाखा (एईसी) को स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने बताया जबरन वसूली के नए मामले की जांच के सिलसिले में अपराध शाखा लकड़ावाला को हिरासत में लेगी। एईसी लकड़ावाला के खिलाफ जबरन वसूली के कई मामलों की जांच कर रही है।

पीएम मोदी का पुणे दौरा शरद पवार ने साधा निशाना

बोले- अधूरी मेट्रो के उद्घाटन के बजाय यूक्रेन में फंसे बच्चों के बारे में सोचना चाहिए

पीएम मोदी के पुणे दौरे से एक दिन पहले एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने पीएम पर निशाना साधा है। शरद पवार ने कहा कि, मेट्रो का काम अभी अधूरा है लेकिन पीएम मोदी उसका उद्घाटन करेंगे। पवार ने कहा कि पीएम को इसके बजाय, यूक्रेन में फंसे भारतीयों को बचाने के बारे में ज्यादा सोचना चाहिए। दरअसल, पीएम मोदी रविवार को पुणे में मेट्रो सेवा का उद्घाटन करने वाले हैं। शरद पवार शनिवार को एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के कारण कई छात्र पीड़ित हैं। मैंने वहां फंसे एक भारतीय छात्र से बात की थी। उसने मुझे बताया कि भारतीय दूतावास ने उन्हें यूक्रेन की सीमा पार करने के लिए कहा था, लेकिन जहां पर छात्र रह रहे हैं वहां से यूक्रेन की सीमा बहुत दूर है। हाल ही में पवार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की थी और उनसे यूक्रेन-पोलैंड सीमा पर फंसे भारतीय छात्रों को जल्द से जल्द वापस लाने का अनुरोध किया था। शरद पवार ने कहा कि पीएम मोदी को इस विषय में गंभीरता से विचार करना चाहिए।

मेट्रो का काम बहुत अधूरा

राकांपा नेता शरद पवार ने कहा कि, करीब एक महीने पहले मैंने मेट्रो रूट का दौरा किया था। पीएम मोदी इसका उद्घाटन करने वाले हैं। जिस रूट का वह उद्घाटन करेंगे, उसका काम पूरा नहीं हुआ है। हालांकि, मुझे उनके पुणे आने से परेशानी नहीं है।

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन

महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेट्रो रेल का उद्घाटन करने के अलावा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इतना ही नहीं वह रिवरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट का शिलान्यास और इलेक्ट्रिक बसों का भी शुभारंभ करेंगे।

शिवसेना नेता राउत का आरोप

गोवा में महाराष्ट्र की तरह हो रहे विपक्षी नेताओं के फोन टैप

शिवसेना नेता संजय राउत ने शनिवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जहां भी चुनाव हो रहे हैं, वहां कई विपक्षी नेताओं के फोन टैप किए जा रहे हैं। कल हमें गोवा में हो रहे चुनाव को लेकर फोन टैप करने की बड़ी जानकारी मिली है।

60 वर्षीय नेता ने कहा कि इस देश में विशेष रूप से उन विपक्षी नेताओं के फोन टैप किए जा रहे हैं, जहां चुनाव होने हैं। कल ही हमें गोवा चुनाव को लेकर जानकारी मिली है। ट्विटर पर साझा कि गई अपनी पोस्ट में राउत ने लिखा कि जिस तरह से महाराष्ट्र के नेताओं के फोन टैप किए गए थे, ठीक उसी तरह अब गोवा में विपक्षी नेताओं के फोन को टैप किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सुदिन धावलीकर, विजय सरदेसाई, दिगंबर कामत और गिरीश चोडानकर के फोन को टैप किया जा रहा है। पूरा देश जानना चाहता है कि इस टैपिंग के पीछे गोवा की रश्मि शुक्ला कौन है? उन्होंने अपने ट्वीट में गोवा के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदिन धावलीकर, पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत, विजय सरदेसाई और गिरीश चोडानकर को टैग किया है। संजय राउत ने अपने ट्वीट में आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला का जिक्र किया है।

अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची कनेक्शन को लेकर NCP नेता का देवेंद्र फडणवीस पर आरोप, ED को पत्र लिख कर की गिरफ्तारी की मांग

पूर्व मुख्यमंत्री, विधानसभा में विपक्षी नेता और महाराष्ट्र में बीजेपी का चेहरा देवेंद्र फडणवीस ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और मुंबई बम ब्लास्ट से संबंधित लोगों से करोड़ो की जमीन कौड़ियों के मोल खरीदी है. इसके बाद मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कार्रवाई करते हुए नवाब मलिक को अरेस्ट किया. नवाब मलिक फिलहाल 7 मार्च तक ईडी हिरासत में हैं. अब एनसीपी की ओर से भी इसका जवाबी हमला हुआ है. एनसीपी नेता अनिल गोटे ने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में आने के बाद बीजेपी पर ऐसे बिल्डर से 20 करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाया है जिसका कनेक्शन ड्रग्स माफिया इकबाल मिर्ची से है. अनिल गोटे ने इस संबंध को लेकर कुछ सबूतों के साथ ईडी को एक पत्र लिखा है और देवेंद्र फडणवीस की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है. इकबाल मिर्ची 1993 बम ब्लास्ट के मुख्य आरोपी रहे दाऊद इब्राहिम का करीबी है. देवेंद्र फडणवीस ने ना सिर्फ गोटे के इस आरोप को ठुकरा दिया है, बल्कि इस आरोप पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है.

'पीएमसी घोटाले का मुख्य आरोपी राजेश वाधवान, रहा फडणवीस पर मेहरबान'

अनिल गोटे का कहना है कि 2014 तक संबंधित बिल्डर ने बीजेपी को कभी पैसे नहीं दिए. लेकिन राज्य में बीजेपी का सूत्र जैसे ही देवेंद्र फडणवीस के हाथ आया, बीजेपी ने एरकेडब्यू डेवलपर्स से 20 करोड़ रुपए लिए. यह कंपनी राजेश वाधवान की है. राजेश वाधवान पीएमसी बैंक घोटाले के मामले में जेल में है.

'दाऊद कनेक्शन का जो तर्क मलिक के लिए, वही तर्क क्यों नहीं बीजेपी के लिए'

अनिल गोटे का कहना है कि दाऊद इब्राहिम कनेक्शन की जो दलील नवाब मलिक के लिए इस्तेमाल में लाई गई और उनकी गिरफ्तारी हुई, ईडी की वही दलील बीजेपी के लिए भी इस्तेमाल में लाई जानी चाहिए. इस आधार पर देवेंद्र फडणवीस की तुरंत गिरफ्तारी होनी चाहिए. अनिल गोटे ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में ईडी को पत्र भी लिखा है. उन्होंने अपने पत्र में लिखा, 'बीजेपी को किससे कितना चंदा मिला है, इसकी पूरी लिस्ट चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई है. इतनी बड़ी निधि दाऊद से संबंधित एक व्यक्ति से बीजेपी कैसे ले सकती है?'

यूक्रेन संकटः विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान, कहा- सभी भारतीय खारकीव से निकाले गए

यूक्रेन में रूस के हमले के बाद हालात दिन-पर-दिन बिगड़ते जा रहे हैं। इस बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि हम यूक्रेन के सूमी में भारतीय छात्रों को लेकर बहुत चिंतित हैं। हमारे छात्रों के लिए एक सुरक्षित गलियारा बनाने के लिए तत्काल युद्धविराम के लिए कई चैनलों के माध्यम से रूस और यूक्रेन की सरकारों पर जोरदार दबाव डाला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमने सभी भारतीय छात्रों को यूक्रेन में सतर्क और सुरक्षित रहने के लिए कहा है। सभी छात्र किसी सुरक्षित जगह पर रहें और अनावश्यक जोखिम ना उठाएं। विदेश मंत्रालय और हमारे दूतावास छात्रों से लगातार संपर्क में हैं।

उन्होंने बताया कि पिसोचिन और खारकीव से हम अगले कुछ घंटों में सभी को बाहर निकालने में सफल हो जाएंगे। मुझे पूरी उम्मीद है कि ऐसा होगा। खारकीव में अब कोई नहीं बचा है। लगभग सभी भारतीय इस शहर से निकाले जा चुके हैं, जो एक अच्छी खबर है। मुख्य ध्यान अब सुमी पर है, चुनौती जारी है। हिंसा और परिवहन की कमी से हमारी चुनौती बढ़ रही है। सबसे अच्छा विकल्प युद्धविराम होगा।

उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों में 15 फ्लाइट भारत पहुंचीं हैं जिनमें लगभग 2900 भारतीयों को निकाला गया है।

ऑपरेशन गंगा के तहत 63 उड़ानें अब तक लगभग 13,300 भारतीयों को लेकर भारत पहुंचीं हैं। अगले 24 घंटों में 13 और फ्लाइट शेड्यूल हैं। अब हम देखेंगे कि अब भी कितने और भारतीय यूक्रेन में हैं। दूतावास उन लोगों से संपर्क करेगा, जिनके वहां होने की संभावना है, परन्तु अभी तक उन्होंने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है।

भांडुप इलाके के ड्रीम्स मॉल में लगी आग

मुंबई के भांडुप पश्चिम में स्थित ड्रीम्स मॉल में भीषण आग लग गई। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग लगने की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में फायर ब्रिगेड की आठ गाडियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरु किए गए। रात करीब आठ बजे ड्रीम्स मॉल में लगी आग को दमकल विभाग के अधिकारियों ने लेवल-3यानी भीषण आग बताया है। उन्होंने बताया कि कोरोना के चलते मॉल बंद था। जिसके कारण किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि आग बुझाने का काम जारी है। गौरतलब है कि इसी ड्रीम्स मॉल में पिछले साल 25 मार्च को भी आग लग गई थी। तब इसी मॉल के तीसरी मंजिल पर बने सनराइज अस्पताल के कोविड वार्ड में आग लगी थी। जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई थी।

स्थानीय क्रांग्रेस नेता के बेटे की शादी में खाना खाकर 1200 लोग हुए बीमार, अस्पताल में भर्ती

मेहसाणा में स्थानीय कांग्रेस नेता के बेटे की शादी में खाना खाने के दौरान 1200 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। शनिवार को पुलिस ने इसकी जानकारी दी। विसनगर ग्रामीण पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि घटना शुक्रवार देर रात विसनगर तालुका के सावला गांव में हुई। मेहसाणा के पुलिस अधीक्षक पार्थराजसिंह गोहिल ने कहा कि शादी में खाना खाने के बाद 1200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उन्होंने बताया कि लोगों को खाना खाने के बाद उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सभी को विसनगर, मेहसाणा और वडनगर के विभिन्न अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि शादी समारोह में परोसे गए खाने की जांच के लिए नमूने फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और खाद्य एवं औषधि विभाग ने एकत्र कर लिए हैं।

पश्चिम बंगालः मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का विमान टर्बुलेंस में फंसा, राज्य सरकार ने डीजीसीए से मांगी रिपोर्ट

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुक्रवार की शाम को जब वाराणसी से लौट रही थीं तो उनके विमान के हवा में टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा था। इसे लेकर राज्य सरकार ने शनिवार को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से रिपोर्ट मांगी है। यह खबर समाचार एजेंसी पीटीआई ने एक शीर्ष नौकरशाह के हवाले से दी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने डीजीसीए से यह भी जानना जाहा है कि क्या विमान जिस मार्ग पर उड़ान भर रहा था उसके लिए पूर्व अनुमति ली गई थी। बनर्जी उत्तर प्रदेश के वाराणसी में समाजवादी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार करने गई थीं। इसे लेकर डीजीसीए के अधिकारियों ने कहा कि रिपोर्ट कर काम शुरू कर दिया गया है।

शुक्रवार की शाम को वाराणसी एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री बनर्जी को ले जा रहे चार्टर्ड विमान एक एयर पॉकेट से टकरा गया था जिससे विमान बुरी तरह हिल गया था। हालांकि, पायलट विमान पर नियंत्रण पाने में और एयर पॉकेट से निकालने में सफल रहा। पायलट ने विमान नेताजी सुभाष चंद्र अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंड कराया।

ममता बनर्जी की पीठ में आई चोट, टीएमसी ने उठाई जांच की मांग

इस दौरान मुख्यंत्री ममता बनर्जी की पीठ में चोट आ गई। यह विमान दसॉल्ट फाल्कन 2000 था, जो 10.3 टन वजनी हल्का विमान है। यह दो फ्लाइट अटेंडेंट को मिलाकर कुल 19 लोगों को ले जाने की क्षमता रखता है। दूसरी ओर, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच करवाने की मांग की है।

टीएमसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुखेंदु शेखर ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और मुख्यमंत्री के लिए खतरा उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा, एविएशन के नजरिए से डीजीसीए को इसकी उच्चस्तरीय जांच करनी चाहिए। इसके अलावा जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त मुख्यमंत्री की सुरक्षा के नजरिए से केंद्र को इसकी एक अलग जांच करनी चाहिए।

जल्द ही खत्म होने वाला है 'इलेक्शन ऑफर', अपनी गाड़ियों में पेट्रोल भरवा लीजिए : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि के मुद्दे पर केंद्र की मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने लोगों से कहा कि 'इलेक्शन ऑफर' जल्दी ही खत्म होने वाला है, ऐसे में अपनी गाड़ियों की टंकी में पेट्रोल भरवा लीजिए। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के लिए प्रचार शनिवार को समाप्त होने के बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को ट्विटर पर निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, 'अपने पेट्रोल टैंक जल्दी भरवा लीजिए। मोदी सरकार का चुनावी ऑफर जल्द ही खत्म होने वाला है।' इसके साथ ही उन्होंने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों पर तंज कसती हुई एक तस्वीर भी पोस्ट की। कांग्रेस भाजपा सरकार पर आरोप लगाती रही है कि वह चुनाव के दौरान ईंधन की कीमतों में वृद्धि को टाल देती है और चुनाव संपन्न होने के तुरंत बाद फिर से इनमें बढ़ोतरी करना शुरू कर देती है। इससे पहले वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि मैं मर जाऊंगा लेकिन आपसे यह कभी नहीं कहूंगा कि मैं आपके बैंक खातों में 15 लाख रुपये जमा करवाऊंगा। इससे आपको अच्छा लगे या बुरा, मुझे इसकी परवाह नहीं है। मैं आप लोगों का इतना सम्मान करता हूं कि आपसे कभी झूठ नहीं बोल सकता। मोदी जी झूठ बोलते हैं और कहते हैं कि वह हिंदुत्व की रक्षा कर रहे हैं।

हमें पिछलग्गू नहीं बनना

यूक्रेन में हालात जैसे-जैसे बिगड़ते जा रहे हैं, दुनिया भर में इस युद्ध के दुष्प्रभावों को लेकर बहस भी तेज होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से रूसी हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कराने का प्रयास नाकाम हो जाने के बाद बुधवार को वैसा ही प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा की आपात बैठक में पेश किया गया। यह प्रस्ताव भारी बहुमत से पारित हो गया, लेकिन सुरक्षा परिषद की ही तरह यहां भी भारत ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इसी संदर्भ में हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया ने गुरुवार के अंक में प्रकाशित संपादकीय में कहा कि भारत को अपने रुख पर दोबारा विचार करना चाहिए। उसके मुताबिक मतदान से गैरहाजिर रहकर तटस्थता दिखाने के बजाय भारत को इस मामले में खुलकर रूस के खिलाफ स्टैंड लेना चाहिए। संपादकीय कहता है कि आक्रमणकारी भूमिका में आकर परमाणु युद्ध की धमकी दे रहे रूस के खिलाफ सभी देश एकजुट हो रहे हैं। पारंपरिक तौर पर गुटनिरपेक्ष माने जाने वाले स्विट्जरलैंड और

फिनलैंड जैसे देशों ने भी अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। ऐसे में भारत कब तक अपने पुराने रुख पर बना रह सकता है? संपादकीय में याद दिलाया गया है कि विदेश नीति की सबसे अहम कसौटी हमेशा राष्ट्रीय हित को ही माना जाता है। मगर सवाल यह है कि क्या मौजूदा हालात में भारत के राष्ट्रीय हित उसे अपना रवैया पूरी तरह बदल कर अमेरिका के पाले में खड़े होने की इजाजत देते हैं? इस संदर्भ में पहली बात यह है जो इन दिनों बार-बार दोहराई भी जाती रही है कि भारत के लिए हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर देश रूस ही है। इसमें रातों-रात कोई बदलाव नहीं लाया जा सकता। ऐसा करने पर अरबों डॉलर के हथियार किसी काम के नहीं रह जाएंगे और नई सप्लाई हासिल करने में वक्त लगेगा। इससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। दूसरी बात यह है कि भारत ने यूक्रेन मामले में तटस्थ रुख अपनाया है। युद्ध जल्द खत्म करने की अपील की है। वह शांतिपूर्ण तरीके से इस मसले का समाधान निकालने का हिमायती है। आज भी भारत गुटनिरपेक्षता की परंपरागत विदेश नीति पर चल रहा है, जो मूल्यों पर आधारित रही है। यह आजादी के बाद से भारतीय विदेश नीति की बुनियाद रहा है। इसी नीति की वजह से दुनिया में भारत ने स्वतंत्रता मिलने के तुरंत बाद ही अपनी पहचान बना ली थी।

गुटनिरपेक्षता के कारण ही शीत युद्ध के दौरान भारत ना ही सोवियत संघ और ना ही अमेरिका के कैंप में गया। भारत आज भी उन्हीं सिद्धांतों पर चलते हुए, अपने राष्ट्रीय हितों को देखते हुए क्वाड जैसे मंचों पर अमेरिका के साथ है तो दूसरी तरफ चीन के दबदबे वाले शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन और आसियान के साथ भी जुड़ा हुआ है। रूस भी शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन का अहम सदस्य है।

यूक्रेन में बिगड़ते हालात

किरीट ए. चावड़ा

यूक्रेन के शहर खारकीव में मंगलवार को एक भारतीय युवक की मौत ने वहां फंसे तमाम भारतीयों और यहां उनके परिजनों, मित्रों की चिंता कई गुना बढ़ा दी है। उसकी मौत तब हुई, जब वह खाने का सामान लेने घर से निकल कर पास की एक दुकान पर गया था। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रूसी हमलों के निशाने पर बने यूक्रेनी शहरों में लोग कितने कठिन हालात में हैं। घरों और बंकरों में अगर वे बम हमलों से कुछ हद तक सुरक्षित रहते हैं तो भूख का निवाला बनने का खतरा झेल रहे होते हैं। इस बीच एक और युवक की मौत की खबर आ गई जो पंजाब के बरनाला का बताया गया है। स्वाभाविक ही इन खबरों के बाद यूक्रेन में फंसे देशवासियों को वापस लाने का काम और तेज कर दिया गया। इसमें आवश्यक तालमेल बनाए रखने और पूरी प्रक्रिया को अधिक से अधिक सहज बनाने के लिए चार केंद्रीय मंत्री पहले ही लगाए जा चुके थे। मंगलवार को वायुसेना के बड़े विमान भी भेजे गए। इरादा है कि जल्द से जल्द सभी लोगों को निकालने का काम पूरा कर लिया जाए। लेकिन जमीनी हालात कितनी तेजी से बदल रहे हैं, इसका अंदाजा इस बात से लगता है कि मंगलवार सुबह केंद्रीय मंत्री

जनरल वी के सिंह ने ट्वीट किया- यूक्रेन में जो जहां हैं वहीं रहें, सबको सुरक्षित निकाला जाएगा। लेकिन इसके कुछ घंटों के अंदर भारतीय दूतावास ने अडवाइजरी जारी कर कहा कि सभी भारतीय जैसे भी संभव हो जल्द से जल्द कीव से निकल जाएं। इस अडवाइजरी के पीछे यह सूचना थी कि रूसी टैंकों का लंबा काफिला राजधानी कीव की ओर तेजी से बढ़ रहा है। बहरहाल, यह युद्ध यूक्रेन समेत पूरी दुनिया के लिए चाहे जितनी भी परेशानियां ला रहा हो, खुद रूस के लिए भी कम बड़ी आफत नहीं साबित हो रहा। यूक्रेन के अंदर जिस तरह का प्रतिरोध रूसी सेना को झेलना पड़ रहा है, वह तो अप्रत्याशित है ही, लेकिन उससे भी बड़ी मुसीबत हैं आर्थिक प्रतिबंध। अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, फ्रांस, ब्रिटेन और जापान- इन सबकी साझा मोर्चेबंदी ने आर्थिक मोर्चे पर रूस के सामने मुश्किलों का पहाड़ खड़ा कर दिया है। पूरा विश्व जनमत उसके खिलाफ है, जबकि रूस बिल्कुल अकेला पड़ गया है। ऐसे में अगर कुछ समय में रूस यूक्रेन में अपनी सैन्य कार्रवाई में कामयाबी पा भी लेता है तो उसकी मुसीबतें दूर नहीं होने वालीं। जहां तक भारत की बात है तो वहां फंसे सभी भारतीयों को सुरक्षित निकाल लाने के बाद उसके सामने रूस से जुड़े अपने व्यापारिक हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सवाल होगा। लेकिन यह याद रखना चाहिए कि रूस अब एक ऐसा देश है जो पश्चिम की नजरों में विलेन है और तमाम प्रतिबंध झेल रहा है। ऐसे में भारत को भी अपने हितों का ध्यान रखते हुए फैसले करने होंगे।

यूपी चुनाव में साइलेंट वेव बनकर उभरा है लाभार्थी वर्ग

गणेश पाण्डेय

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव अब अंतिम दौर में पहुंच चुका है। प्रदेश की सत्ता पर कौन काबिज होगा और किसे अगले पांच साल तक इंतजार करना होगा, यह तो 10 मार्च को ही पता चलेगा लेकिन यह तय है कि 2022 का चुनाव कई मायने में उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश की राजनीति का 'गेम चेंजर' साबित होता दिखाई पड़ रहा है।

गौरतलब है कि इस चुनाव में एक ऐसा वर्ग उभर कर सामने आया है जो जाति, पंथ, मजहब, लिंग और विचारधारा की चारदीवारी को तोड़ता दिखाई दे रहा है। वह है 'लाभार्थी' वर्ग जो बहुत शांति के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। यह वर्ग भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है।

भाजपा के कोर वोटर के साथ ही यह लाभार्थी वर्ग जिसके साथ हर विपरीत परिस्थिति में योगी आदित्यनाथ खड़े रहे, एक 'साइलेंट वेव' बन कर पूरे चुनाव को एक अलग रंग प्रदान कर चुका है। चाहे कोरोना संकट काल में शुरू की गई मुफ्त राशन की योजना हो या कामगारों, मजदूरों के खाते में भेजी गयी धनराशि, आश्रय विहीन लोगों को उनका खुद का पक्का मकान देना हो, फिर चाहे किसान सम्मान निधि हो, भाजपा सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सबको लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। जो कभी खुद के मकान की कल्पना करने का साहस भी नहीं जुटा पाते थे, योगी सरकार ने उन्हें पक्के मकान की सौगात दी है, मुफ्त बिजली कनेक्शन का लाभ तो शौचालय का उपहार दिया है।

कोरोना काल में जब दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों ने उत्तर प्रदेश के श्रमिकों/कामगारों को तिरस्कृत कर दिया था, उस संक्रमण काल से लेकर अब तक उन सभी के घरों में योगी सरकार के कारण खाद्यान्न की कमी नहीं हुई है। इसका असर धरातल पर प्रभावी ढंग से नजर आ रहा है और योगी के इस साइलेंट सपोर्टर की प्रतिबद्धता के सामने विपक्ष के सभी खेमें असहाय नजर आ रहे हैं।

हालांकि विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी ने भले ही अपने चुनावी वादों में 'मुफ्त' को सबसे बड़ा हथियार बनाया है, लेकिन योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की भाजपा सरकार के पिछले पांच वर्ष का

कार्यकाल देखने के बाद तथा उसकी सपा और बसपा के कार्यकाल से तुलना कर उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता समझ चुकी है कि उनके लिए कौन 'उपयोगी' है और कौन 'अनुपयोगी' है।

गोरक्षपीठ के महंत तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए राजनीति स्वार्थ सिद्धि का माध्यम नहीं, बल्कि जनसेवा का साधन है। उन्होंने मात्र पांच वर्षों में समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को प्रदेश और केंद्र की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा है।

योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन तथा उनको धरातल पर उतरना ही मुख्यमंत्री योगी की सबसे बड़ी सफलता रही है। यही वजह है कि पोलिंग बूथ के बाहर कतार में खड़ा व्यक्ति इस बार जाति, मजहब से उठकर अपने विकास एवं सुरक्षित भविष्य के लिए मतदान कर रहा है।

विपक्षी पार्टियों को इस बात का अहसास हो गया है। इसलिए समाजवादी पार्टी समेत अन्य दल इसकी काट खोजने में लगे हुए हैं। कभी मुफ्त बिजली की घोषणा करते हैं तो कभी मुफ्त राशन की बात कहते हैं। जब उन्हें लगा कि जनता अब भी उनकी बातों में नहीं आ रही है तो अब यह भ्रम फैलाने का प्रयास किया जा रहा है कि भाजपा सरकार में मिलने वाला राशन सिर्फ मार्च तक मिलेगा। चुनाव खत्म होते ही सब बंद हो जाएगा।

लेकिन विपक्ष शायद इस बात से अनभिज्ञ है कि जनता इस बार वादों पर नहीं योगी के 'सेवा, सुरक्षा और सुशासन' के मंत्र पर वोट दे रही है।

यही वजह है कि योगी अपने चुनावी मंच से विकास की बात करते हैं। योजना के लाभ गिनाते हैं और जनता के सुरक्षित भविष्य की बात करते हैं। दूसरी तरफ मुद्दाविहीन विपक्षी दल सिर्फ जाति, विभाजन और तुष्टिकरण की बात कर रहे हैं। प्रदेश में यह पहला चुनाव है, जब विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वह सत्ता पक्ष को घेरने के लिए आखिर मुद्दे कहां से लाए?

उत्तर प्रदेश की दिशा और दशा तय करने वाले इस चुनाव पर देश भर की निगाहें जमी हुई हैं। यह विधानसभा चुनाव कई इतिहास बनाएगा तो कई बातें 'इतिहास' बन जाएंगी। परिणाम कुछ भी हो, लेकिन इस बात का अहसास हर पार्टी को हो गया है कि अब बात जाति की नहीं विकास की होगी। अब बात मजहब की नहीं लोककल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की होगी और इस मामले में योगी आदित्यनाथ अकेले विपक्ष पर भारी पड़ते दिखाई पड़ रहे हैं। शासन का जो मॉडल योगी ने गढ़ा है, अखिलेश समेत पूरे विपक्ष के लिए उसकी काट ढूंढ पाना शायद सम्भव नहीं हो पायेगा।

उस 'धोखे' को भूल नहीं पाए एनडी तिवारी

भूपेन्द्र पटेल

बात मार्च 1987 की है। तब उत्तराखंड यूपी का ही हिस्सा हुआ करता था और यूपी विधानसभा की एक सीट हुआ करती थी काशीपुर। हालांकि यह विधानसभा सीट अभी भी है लेकिन अब उत्तराखंड राज्य का हिस्सा है। यह विधानसभा सीट उस वक्त कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में गिने जाने वाले नारायण दत्त तिवारी की 'होम कॉन्स्टिट्यूएंसी' कहलाती थी। राजनीतिक गलियारों में कहा जाता था कि इस विधानसभा क्षेत्र में नारायण दत्त तिवारी की मर्जी के बगैर पत्ता भी नहीं हिल सकता। रेकॉर्ड भी ऐसा ही बोलते थे। 1969 में उन्होंने यहां से पहला चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की। इसके बाद 1974 और 1977 के चुनाव में भी वह यहीं से जीते। 1980 में जब वह सांसद हो गए तो उन्होंने इस सीट पर अपने 'यस मैन' कहे जाने वाले सत्येंद्र चंद्र गुड़िया को टिकट दिलवाया और उन्हें भी विधायक बनवा दिया। 1985 में नारायण दत्त तिवारी ने फिर से काशीपुर से चुनाव लड़ा और विधायक हुए। साथ ही यूपी के मुख्यमंत्री भी हुए लेकिन बीच में उन्हें फिर केंद्र जाना पड़ गया, जिसकी वजह से यह विधानसभा सीट रिक्त हुई और यहां मार्च 1987 में उपचुनाव कराना पड़ा।

अमूमन उपचुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ दल के ही साथ जाते हैं। उस वक्त यूपी में कांग्रेस की सरकार थी। नारायण दत्त तिवारी के केंद्र जाने के बाद वीर बहादुर सिंह मुख्यमंत्री बन चुके थे। राज्य में विपक्ष भी बिखरा हुआ था लेकिन कांग्रेस और गांधी परिवार से अलग हुईं मेनका गांधी के नेतृत्व में बना राष्ट्रीय संजय मंच नई अलख जगाने की कोशिश में था। मेनका गांधी के साथ अकबर अहमद डंपी हुआ करते थे। संजय गांधी और मेनका गांधी से उनके दोस्ताना संबंध थे। संजय मंच बनाने के पीछे उन्हीं का दिमाग माना जाता था। उस वक्त वह यूपी में फायरब्रांड युवा नेता के रूप में जाने जाते थे। हालांकि इन दिनों वह सक्रिय राजनीति में नहीं हैं।

संजय मंच ने ठोकी ताल

उस वक्त कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के साथ मेनका गांधी के रिश्ते बहुत ही कड़वे थे। कांग्रेस नेतृत्व किसी को भी बर्दाश्त कर सकता था लेकिन मेनका गांधी उसके लिए किसी भी सूरत में कबूल नहीं थीं। इधर मेनका गांधी ने इस उपचुनाव में अकबर अहमद डंपी को संजय मंच का उम्मीदवार बना दिया। उनके इस फैसले ने इस उपचुनाव को हाई प्रोफाइल बना दिया। डंपी के मुकाबले कांग्रेस ने भी मुस्लिम उम्मीदवार उतारने का फैसला किया। जाहिर है, यह नाम ऐसा होना चाहिए था जो वजनी हो ताकि चेहरों की लड़ाई में डंपी के मुकाबले हल्का न मान लिया जाए। उस वक्त कांग्रेस की पॉलिटिक्स में अम्मार रिजवी सबसे बड़ा मुस्लिम चेहरा हुआ करते थे। वह भी अब सक्रिय राजनीति में नहीं हैं लेकिन उस वक्त वह राज्य सरकार में मंत्री भी थे। कांग्रेस ने उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। हताश और निराश विपक्ष को यह उपचुनाव अपने लिए मौका जैसा लगा। उस समय तक बीएसपी बन चुकी थी। बीएसपी तो नहीं मानी लेकिन बाकी दलों ने तय किया कि वे अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। बीएसपी ने अपना उम्मीदवार उतार दिया। इस तरह से तीन दलों- कांग्रेस, संजय मंच और बीएसपी के उम्मीदवार के अलावा 18 निर्दलीय उम्मीदवार भी मैदान में थे। यह चुनाव जितना कांग्रेस की प्रतिष्ठा से जुड़ा था, उतना ही नारायण दत्त तिवारी की भी इज्जत का सवाल बना हुआ था। विधानसभा क्षेत्र से तिवारी के रिश्तों को भुनाने के लिए कांग्रेस ने नारा दिया- जात पर ना पात पर, तिवारी जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। बतौर केंद्रीय मंत्री दिल्ली से छुट्टी लेकर एनडी तिवारी ने काशीपुर में डेरा डाल दिया। राज्य सरकार ने भी पूरी ताकत झोंक दी लेकिन डंपी ने अम्मार रिजवी को हराकर कांग्रेस के पैरों तले की जमीन खिसका दी। डंपी को 42 हजार वोट मिले, जबकि अम्मार रिजवी 35 हजार वोट ही पा सके। बीएसपी उम्मीदवार को तो 12 हजार ही वोट मिल पाए थे। उपचुनाव के नतीजे जितना राज्य सरकार के लिए शर्मिंदगी का सबब बने थे, उससे कहीं ज्यादा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के लिए असुविधाजनक साबित हुए।

तिवारी से हुआ जवाब-तलब

जिस सीट के लिए यह कहा जाता रहा हो कि वहां नारायण दत्त तिवारी की मर्जी के बगैर पत्ता भी नहीं हिलता, उस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार की हार, वह भी संजय मंच के उम्मीदवार से, कांग्रेस नेतृत्व को हजम नहीं हो रही थी। हार के कारणों को लेकर नारायण दत्त तिवारी से जवाब तलब हुआ। तिवारी ने राजीव गांधी को जवाबी पत्र लिखा, जिसका मजमून कुछ यूं था, 'आदरणीय राजीव जी, अत्यंत खेद है कि मेरे पूर्ण प्रयास के बाद भी काशीपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी को पराजय का मुंह देखना पड़ा। हमारे उम्मीदवार अम्मार रिजवी, व पार्टी के अन्य कार्यकर्ताओं ने रात-दिन अथक प्रयास किया और उनकी मेहनत का व्यापक प्रभाव भी पड़ा। अम्मार रिजवी ने पार्टी हित में जो निर्णय व आग्रह स्वीकार किया उसके लिए मैं उनका सदैव आभारी रहूंगा। मुझे इस बात का अत्यंत खेद है कि आपके पूर्ण विश्वास के बावजूद मैं अपने संगठनात्मक दायित्व को नहीं निभा पाया। इसमें संदेह नहीं कि काशीपुर क्षेत्र का समस्त घटनाचक्र और इस अनहोनी पराजय का उत्तरदायित्व मेरा ही है और अपनी इस व्यक्तिगत असफलता को अपने नेता के सम्मुख अर्थात आपके सम्मुख विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। आगे क्या कदम लिए जाएं, इस संबंध में आपसे भेंट करके विचार-विमर्श करना चाहूंगा। इस पराजय में कुछ ऐसे भी कारण रहे हैं जो भविष्य के लिए राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण से चिंताजनक हैं।' राजनीतिक गलियारों में कहा जाता है कि नारायण दत्त तिवारी को आजीवन यह संदेह रहा कि उस समय के मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह ने उनके साथ धोखा किया था।

IPS रश्मि शुक्ला को 25 मार्च तक गिरफ्तारी से राहत, बॉम्बे HC का आदेश, अवैध फोन टैपिंग का है आरोप

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट ने कथित फोन टैपिंग मामले में पुणे पुलिस को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) की अधिकारी रश्मि शुक्ला के खिलाफ 25 मार्च तक कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का शुक्रवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति एस.एस. शिंदे और न्यायमूर्ति नितिन बोरकर की पीठ ने कहा कि शुक्ला को अगले आदेश तक गिरफ्तारी से संरक्षण दिया जाना चाहिए, क्योंकि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले सप्ताह पुणे के बंड गार्डन थाने में दर्ज मामले में केवल उन्हें 'निशाना' बनाया गया।

तीन साल पहले हुई थी घटना

पीठ ने अपने आदेश में यह भी कहा कि उक्त प्राथमिकी शुक्ला के खिलाफ काफी विलंब के बाद दर्ज की गई है।

अदालत ने शुक्ला के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता महेश जेठमलानी के इस तर्क का संज्ञान लिया कि अवैध फोन टैपिंग की कथित घटना तीन साल पहले हुई थी, लेकिन पुणे पुलिस की प्राथमिकी इस साल 25 फरवरी को केवल शुक्ला के खिलाफ दर्ज की गई।

जेठमलानी ने कहा कि एक ओर जहां महाराष्ट्र पुलिस के कई अन्य अधिकारी कुछ फोन नंबरों को निगरानी में रखने की मंजूरी प्राप्त करने में शामिल थे, वहीं दूसरी ओर प्राथमिकी केवल शुक्ला के खिलाफ दर्ज की गई। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार के वकील वाई. पी. याग्निक ने गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण के शुक्ला के अनुरोध का विरोध किया।

उन्होंने उनकी याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए कुछ समय मांगा और कहा कि याचिका की एक प्रति उन्हें बृहस्पतिवार को ही दी गई थी।

25 मार्च तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश

याग्निक ने उच्च न्यायालय से याचिका पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं करने का आग्रह किया। हालांकि दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने पुलिस को शुक्ला के खिलाफ 25 मार्च तक कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आदेश दिया। पुणे में पुलिस आयुक्त के पद पर मार्च 2016 से 2018 तक तैनात रहीं शुक्ला वर्तमान में केंद्रीय परिवीक्षा पर हैदराबाद में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात हैं। उनके खिलाफ पुणे पुलिस आयुक्त के पद पर रहते हुए, 2015 से 2019 के बीच राजनीतिक नेताओं के फोन कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से टैप करने के आरोप मे भारतीय टेलीग्राफ कानून की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

यूं बन रहे बांग्लादेशियों के भारतीय पासपोर्ट, चार गिरफ्तार, मुख्य सरगना की तलाश

मुंबई: बांग्लादेशियों को अवैध रूप से भारत भेजकर फर्जी दस्तावेजों पर उनके भारतीय पासपोर्ट बनाए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। महाराष्ट्र एटीएस ने इस संबंध में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार, आरोपी सरदार शेख मुख्य सरगना है, जो फरार है। सरदार बांग्लादेशियों को सीमा से अवैध रूप से घुसवाता था। इसके बाद नॉर्थ 24 परगना में बांग्लादेशियों के आधार कार्ड बनवाए जाते थे। बाद में बांग्लादेशियों को मुंबई व भारत के अन्य शहरों में भेज दिया जाता था। मुंबई में बांग्लादेशियों को फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट्स और स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट्स दिए जाते थे। इसके जरिए वे भारतीय पासपोर्ट बनवाते थे। एटीएस ने जिन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उनमें 28 साल के काजल शेख को भारतीय पासपोर्ट मिल भी गया था, जबकि दो आरोपियों ने भारतीय पासपोर्ट पाने की प्रक्रिया पूरी कर ली थी। एटीएस का कहना है कि मुंबई में इन बांग्लादेशियों को पासपोर्ट बनवाने में 52 साल का संतोष वर्णे मदद करता था। उसने पिछले 8 से 10 साल में खुद को पासपोर्ट एजेंट के तौर पर स्थापित किया था। वह बांग्लादेशियों को फर्जी बर्थ सर्टिफिकेट्स और स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट्स सप्लाई करता था। उसके पास से 100 से ज्यादा ब्लैंक स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट्स जब्त किए गए हैं। इन पर किसी स्कूल का नाम नहीं लिखा था।

महिला डॉक्टर ने की फांसी लगाकर की खुदकुशी

गोंदिया। शहर की महिला दंत रोग विशेषज्ञ डा. नेहा हेमराज पारधी (26) ने अपने घर में छत में लगे हुक से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना 4 मार्च को सुबह 9.30 बजे के दौरान प्रकाश में आई। उन्होंने आत्महत्या क्यों की? इसका कारण पता नहीं चल सका है। घटनास्थल से किसी प्रकार का कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने की बात पुलिस ने कही है।

दर्दनाक : दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की मौत

वर्धा। दो हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। वर्धा में ऑटो डिवाइडर से टकराने से एक की मौत हो गई, वहीं यवतमाल जिले के वणी में ट्रक पलटने से युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बोरगांव ग्राम पंचायत स्थित रोड पर बनाए गए डिवाइडर को ऑटो ने टक्कर मार दी। जिसमें ऑटो में सवार देवली तहसील वाबगांव निवासी कुंदन शालिक थूल (40) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना शुक्रवार 4 फरवरी को दोपहर 3.15 बजे घटी। फरियादी की शिकायत पर शहर पुलिस थाना में ऑटो चालक संदीप रामदास लोहकरे के खिलाफ धारा 304, 337 भादंवि के तहत मामला दर्ज किया है। दूसरी घटना वणी (यवतमाल) में हुई। वरोरा टी प्वाइंट के पास ट्रक पलटने से उसमें दबकर एक युवक की मौत हो गई। घटना गुरुवार मध्यरात्रि के बाद घटी। मृतक युवक का नाम सूरज अमर मेडथे (ठाकुर) बताया गया है। वह 30 वर्ष का था। गत 10 फरवरी को उसका विवाह हुआ था। विवाह के 21 दिन बाद ही ऐसी दुर्घटना होने से उसके घर पर मातम छाया हुआ है।

महाराष्ट्र भाजपा विधायकों ने की NCP नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग, विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन

मुंबई, महाराष्ट्र भाजपा विधायक विधानसभा की सीढ़ियों पर राकांपा नेता नवाब मलिक के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। बता दें कि राकांपा नेता नवाब मलिक को दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 7 मार्च तक ईडी ने हिरासत में रखा हुआ है। गौरतलब है कि नवाब मलिक की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पीएमएलए की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को नवाब मलिक की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत 7 मार्च तक बढ़ा दी है। यह मामला दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि, महाराष्ट्र में पहली बार कोई मंत्री जेल के अंदर है, फिर भी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया। दाऊद के परिवार से सांठगांठ के आरोप में जेल जा चुके हैं...

सीबीआइ ने दूसरे दिन भी दर्ज किया महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान

मुंबई, सीबीआइ अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को आर्थर रोड जेल में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जेल अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने गुरुवार सुबह से देशमुख का बयान दर्ज करना शुरू कर दिया था और यह प्रक्रिया शनिवार को भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सीबीआइ की एक टीम मुंबई की आर्थर रोड जेल पहुंची, जहां देशमुख इस समय बंद हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री के वकील भी इस दौरान मौजूद थे। मनी लांड्रिंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद राकांपा के वरिष्ठ नेता देशमुख वर्तमान में न्यायिक हिरासत में हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख, जो उस समय गृह मंत्री थे, ने मुंबई के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। देशमुख ने इन आरोपों से इन्कार किया है।

सीबीआइ ने प्रारंभिक जांच के बाद देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआइ ने इससे पहले इस मामले में निलंबित पुलिस अधिकारियों सचिन वाझे, कुंदन शिंदे और संजीव पलांडे के बयान दर्ज किए थे। मुंबई की एक विशेष अदालत ने सीबीआइ को 100 करोड़ रुपये की वसूली के मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान दर्ज करने की अनुमति दी थी। सीबीआइ ने हाल ही एक याचिका दायर कर देशमुख का बयान दर्ज करने की अनुमति मांगी थी। परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख उन्हें मुंबई में बार और रेस्तरां से हर महीने 100 करोड़ रुपये लेने के लिए मजबूर कर रहे थे। इस बीच, बर्खास्त असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सचिन वाझे ने बांबे हाई कोर्ट में गत बुधवार को बिना शर्त अपनी याचिका वापस ले ली। इस याचिका में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए गठित आयोग के दो आदेशों को चुनौती दी गई थी। अदालत ने मंगलवार को कहा था कि याचिका वापस नहीं लेने पर उसे खारिज कर दिया जाएगा। अदालत ने याचिका में तथ्यों को छिपाने और सभी दस्तावेज जमा नहीं करने पर नाराजगी व्यक्त की थी। बुधवार को वाझे के वकील अंतूरकर ने अदालत को सूचित किया कि वाझे बिना शर्त याचिका वापस ले रहे हैं। कोर्ट ने भी इसे स्वीकार किया। वाझे ने अपनी याचिका में एक आयोग द्वारा पारित दो आदेशों की वैधता को चुनौती दी थी। आयोग ने संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) मिलिंद भारंबे को जांच के लिए बुलाने के वाझे के आवेदन को अस्वीकार कर दिया था, जबकि दूसरे आदेश में, आयोग ने उन्हें देशमुख के खिलाफ अपने पहले के बयान को वापस लेने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया।

KBC के नाम पर शिक्षक को लगाया 29 लाख का चूना, पुलिस ने चेताया

बीड़। केबीसी (कौन बनेगा करोडपती) के नाम से वाट्सएप ग्रुप बना लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने 25 लाख रुपए की लॉटरी और करोड़ों के इनाम का झांसा देकर शिक्षक को चूना लगाया। जिसे लकेर पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया गया है। मोहम्मद फहीमोदिन आब्दुल रहीम, उम्र 52 साल झमझम कालनी के रहने वाले हैं, जो गेवराई तहसील में शिक्षक हैं ।11 दिसंबर 2021 को एक अज्ञात नंबर से उन्हें वाट्सएप ग्रुप में शामिल किया गया। कुछ घंटे बीतने के बाद उस ग्रुप में वीडियो आया था, जिसमें 25 लाख की लॉटरी, दुबई में आलीशान महल समेत कार सहित अन्य उपहारों के लालच दिया गया था।13 दिसंबर को शिक्षक मोहम्मद ने संबंधित मोबाइल नंबर पर संपर्क किया, तो ठगों ने तीन माह के भीतर 29 लाख 23 हजार रूपए ऐंठ लिए, लेकिन जब कुछ हाथ न लगा तो शिक्षक मोहम्मद फहीमोदिन आब्दुल रहीम ने पुलिस से शिकायत की, जिसके बाद मामला दर्ज कर पुलिस निरीक्षक रवि सानप पड़ताल में जुट गए हैं ।

आयकर विभाग ने शिवसेना पार्षद की बेनामी संपत्तियों का पता लगाया

नई दिल्ली, महाराष्ट्र में आयकर विभाग ने हाल ही में मुंबई में शिवसेना के एक पार्षद, उनके सहयोगियों और बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के ठेकेदारों के परिसरों पर छापेमारी के बाद कथित बेनामी संपत्तियों सहित लगभग तीन दर्जन संपत्तियों का पता लगाया है। इन संपत्तियों की कीमत लगभग 130 करोड़ रुपये है। विभाग ने 25 फरवरी को मुंबई में बीएमसी के स्थायी समिति के अध्यक्ष यशवंत जाधव, उनके करीबी सहयोगियों और कुछ ठेकेदारों के खिलाफ 35 से अधिक परिसरों पर छापा मारा था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलते हैं कि इन ठेकेदारों ने गलत तरीके से 200 करोड़ रुपये की आय की जानकारी छिपाई।

यशवंत जाधव ने नाम पर हैं संपत्तियां बयान में कहा गया कि छापेमारी में कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल साक्ष्य मिले हैं और जब्त किए गए हैं। जब्त किए गए साक्ष्य जाधव और ठेकेदारों के बीच साठगांठ की तरफ इशारा करते हैं। लगभग तीन दर्जन अचल संपत्तियों जिनकी कीमत 130 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है,

का भी पता लगाया गया है। दावा किया गया है कि ये संपत्तियां यशवंत जाधव या उनके सहयोगियों के नाम पर हैं या बेनामी संपत्तियां हैं। बयान के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय हवाला लेनदेन में जाधव (प्रमुख व्यक्ति) की संलिप्तता और गलत तरीके से अर्जित धन को विदेश भेजने के साक्ष्य भी मिले हैं। मामले में जांच जारी है और अब तक दो करोड़ रुपये नकद और 1.5 करोड़ रुपये के आभूषण जब्त किए गए हैं।

मुखौटा कंपनियों में निवेश किए थे रिश्वत के पैसे

सूत्रों ने बताया कि जाधव को कमीशन के तौर पर करीब 15 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। जाधव ने यह पैसा कुछ निजी फर्मों को दिया, जिन्होंने बाद में पूरी राशि को उनकी मुखौटा कंपनियों में स्थानांतरित कर दिया। शिकायत दर्ज होने के बाद आइटी विभाग ने जांच में पाया कि जाधव ने कथित तौर पर लगभग 15 करोड़ रुपये लिए थे। आइटी विभाग को प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला था कि दुबई से उनके खाते में कुछ लेनदेन किए गए थे। इस लेन-देन को लेकर आयकर अधिकारियों ने जाधव और उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ की।

FIR रद्द कराने को महिला ने मंत्रालय के बाहर की खुदकुशी की कोशिश, केस दर्ज

(सांकेतिक तस्वीर)

मुंबई में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग को लेकर 60 वर्षीय एक महिला ने मंत्रालय के बाहर खुद पर मिट्टी का तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया. पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना गुरुवार शाम की है. उन्होंने कहा कि विक्रोली पार्कसाइट क्षेत्र की रहने वाली महिला ने मंत्रालय आकर पार्कसाइट थाने में दर्ज प्राथमिकी रद्द करने की मांग की. महिला के मुताबिक, उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है. उन्होंने कहा, उसे लगा कि उसे न्याय नहीं मिल रहा है. जिस के बाद उसने मिट्टी का तेल डाला और शाम लगभग साढ़े पांच बजे खुद को आग लगाने की कोशिश की. अधिकारी ने बताया कि मंत्रालय के निकट तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे रोका और हिरासत में ले लिया.

इसके बाद महिला को मरीन ड्राइव थाने ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 309 के तहत आत्महत्या के प्रयास की प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने कहा कि महिला को समझा-बुझा कर घर भेज दिया गया है.

मुंबई कमिश्नर ने आम जनता से साझा किया अपना मोबाइल नंबर

मुंबई के नए पुलिस कमिश्नर संजय पांडे ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपना निजी मोबाइल नंबर फेसबुक पर साझा कर दिया है. उन्होंने मोबाइल नंबर देते हुए लोगों से कहा है कि अपने सुझाव साझा करने के लिए सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'बड़े या छोटे सुझावों का स्वागत है. मैं कोशिश करूंगा कि सभी मेसेज का जवाब दूं. मैं भी आपके साथ साझा करूंगा कि हम साप्ताहिक आधार पर क्या काम कर रहे हैं.' संजय पांडे ने सोशल मीडिया पर लिखा है, 'मैं अपना व्यक्तिगत नंबर साझा कर रहा हूं. आप हमेशा वॉट्सऐप/टेक्स्ट मेसेज के साथ-साथ फेसबुक या ट्विटर पर भी मुझसे संपर्क कर सकते हैं.'

सदानंद दाते ने दिया ऑनलाइन विजिट का मौका

मीरा-भाईंदर-वसई विरार के पुलिस कमिश्नर सदानंद दाते ने भी कोरोना की वजह से आम लोगों के लिए ऑनलाइन विजिट सुविधा शुरू की थी. यह सुविधा अब भी जारी है. हालांकि उनका अनुभव यह रहा है कि आम लोग ऑनलाइन विजिट के बजाए सीपी ऑफिस में पर्सनल विजिट करने में ज्यादा यकीन रखते हैं.

एसटी का राज्य सरकार में विलय संभव नहीं, पेश हुई रिपोर्ट

मुंबई। राज्य सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति ने राज्य परिवहन महामंडल (एसटी) का राज्य सरकार में विलीनीकरण की मांग ठुकरा दी है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों के तहत ऐसा संभव नहीं है। समिति की इस रिपोर्ट से विलीनीकरण के मुद्दे पर पिछले कई महीनों से हड़ताल पर बैठे एसटी कर्मचारियों को बड़ा झटका लगा है। बांबे हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि महामंडल की आर्थिक स्थिति देखते हुए कर्मचारियों को समय पर वेतन देने के लिए कम से कम अगले चार साल तक बजट के जरिए निधी उपलब्ध कराना चाहिए। हालांकि इस सिफारिश पर सरकार ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। विलीनीकरण समेत कई मांगों को लेकर एसटी कर्मचारी पिछले साल दीपावली से पहले हड़ताल पर चले गए थे। इसके बाद सरकार ने वेतन बढ़ाने का वादा किया था लेकिन कर्मचारी विलीनीकरण की मांग पर अड़े रहे।

रेस्क्यूः वैनगंगा नदी में नहाने गए 8 लोगों बचाया

गड़चिरोली।चामोर्शी तहसील के मार्कंडा देवस्थान की वैनगंगा नदी में बुधवार और गुरुवार को नहाने गए 8 लोगों को रेस्क्यू कर पुलिस की टीम ने बचाया। इन सभी 8 लोगों पर प्राथमिक उपचार कराने के बाद उन्हें चामोर्शी के ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मार्च के अंत तक अंधेरी- दहिसर मेट्रो हो सकती है शुरू

मुंबईकरों का सफर होगा आसान

मुंबई: इस महीने के अंत से सड़क या रेल मार्ग से सफर करने वाले करीब साढ़े चार लाख यात्रियों का सफर आरामदायक होने वाला है। यात्रियों को सुविधाजनक सेवा उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो के 10 रेक तैयार हो गए हैं। अत्याधुनिक सुविधा से युक्त मेट्रो(Mumbai Metro) के एक रेक में एक साथ करीब 2300 यात्री सफर कर सकते हैं। यात्रियों को ट्रैफिक से निजात दिलाने के लिए मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने रोजाना मेट्रो की करीब 200 फेरी चलाने की तैयारी कर ली है। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे(WEH) के करीब के 20 किमी के रूट पर मेट्रो सेवा शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

60 फीसद रूट टेस्ट में पास

मेट्रो 7 और मेट्रो 2 ए कॉरिडोर के आरे स्टेशन से डहाणूकरवाड़ी स्टेशन के बीच जून से ट्रायल रन चल रहा है। एमएमआरडीए कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवासन के मुताबिक, सीआरएस के टेस्ट में 60 फीसद रूट पास हो गए हैं। अब सिर्फ फायर सेफ्टी, सिविल वर्क जैसे कुछ छोटे टेस्ट की जांच होने बाकी हैं। सभी टेस्ट के लिए विभाग तैयार है। अब केवल बचे रूट की जांच के लिए सीआरएस की टीम का समय मिलने का इंतजार है। टेस्ट होने के 10

दिन के भीतर आम यात्रियों के लिए सेवा शुरू कर दी जाएगी। मार्च के अंत तक टेस्ट की सभी प्रक्रिया पूरी होने की उम्मीद है।

हर स्टेशन पर 50 हजार लीटर पानी

श्रीनिवासन के मुताबिक, आग लगने जैसी घटनाओं से चंद मिनट में निपटने के लिए हर स्टेशन पर पानी की व्यवस्था की गई है। आग पर लग काबू पाने के लिए हर स्टेशन के नीचे 50 हजार लीटर पानी की टंकी का निर्माण किया गया है।

सायकल के साथ मेट्रो में सफर

मेट्रो के नए रूट पर लोग अपनी सायकल के साथ सफर कर सकते हैं। मेट्रो के कोच में सायकल पार्क की विशेष व्यवस्था की गई है। सायकल के साथ सफर करने के लिए यात्रियों को अतिरिक्त पैसे खर्च करने होंगे। एमएमआरडीए के मुताबिक, लिफ्ट के माध्यम से यात्री सायकल प्लेटफॉर्म तक ला सकते हैं।

स्टेशन के करीब बस स्टॉप

यात्रियों को उनके अंतिम गंतव्य स्थान तक पहुंचाने की भी योजना तैयार की गई है। श्रीनिवासन के मुताबिक, मेट्रो के हर स्टेशन के 100 से 200 मीटर की दूरी पर बेस्ट का बस स्टॉप होगा। बस स्टॉप का प्रस्ताव बेस्ट प्रशासन को भेज दिया गया है। 10 दिन में यह काम पूरा कर लिया जाएगा।

लेडिस स्पेशल कोच

महिला यात्रियों को ध्यान में रखते हुए मेट्रो में महिलाओं के विशेष कोच की व्यवस्था की गई है। छह डिब्बों की मेट्रो रेक में 2 डिब्बे लेडिस स्पेशल होंगे।

महाराष्ट्र शासन
महाराष्ट्र शासन
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय,
मध्य मुंबई (सा.बां) विभाग, गणपत जाधव मार्ग,
वरळी, मुंबई - ४०० ०१८.

Email : centralmumbai.cc@mahanwd.com | दूर. ४९३६४०४/२४९३१९०२ फॅक्स २४९३५९०६
जा.क्र. का.अ./मर्मुवि/निविदा/ १२५९ | दिनांक :- २५/०२/२०२२

ई निविदा सूचना क्रमांक १३ सन २०२१-२२

कार्यकारी अभियंता, मध्य मुंबई (सा.बां) विभाग, वरळी, मुंबई कार्यालयीन दूरध्वनी क्रमांक २४९३१९०२/२४९३६४०४ महाराष्ट्र शासनाच्या सार्वजनिक बांधकाम खात्याकडे योग्य त्या वर्गातील मजूर सहकारी संस्था मर्यादित यांचेकडून २७ कामाकरीता (६५२.००लक्ष) किंमतीच्या ई-निविदा http://mahatenders.gov.in/http://mahapwd.com मागवित आहेत. सर्व मजूर सहकारी संस्था,मुंबई जिल्हा यांनी प्रचलित नियमाप्रमाणे पुढील कार्यवाही करावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, मध्य मुंबई (सा.बां) विभाग, वरळी, मुंबई यांनी राखून ठेवला आहे.

ई-निविदा उपलब्ध कालावधी -	दि.२८.०२.२०२२, सकाळी १५.०० पासून ते दि.१४.०३.२०२२ रोजी १५.०० पर्यंत
ई-निविदा उघडणे (शक्य झाल्यास)	दि.१५.०३.२०२२ रोजी १५.०० वाजता (कार्यकारी अभियंता, मध्य मुंबई (सा.बां) विभाग, यांचे कार्यालय, गणपत जाधव मार्ग, वरळी, मुंबई ४०००१८)

सही/ -
कार्यकारी अभियंता
मध्य मुंबई (सा.बां) विभाग,
वरळी, मुंबई.

भारतीय छात्र विदेश में पढ़ना क्यों चुनते हैं?

विदेशी शिक्षा छात्रों के लिए नए युग के पाठ्यक्रमों के साथ-साथ एक विविध समुदाय का हिस्सा बनने का एक अद्भुत अवसर है जो उन्हें व्यक्तियों के रूप में विकसित होने में मदद करेगा।

भारतीय छात्र आमतौर पर विदेशों में अध्ययन करने का विकल्प चुनते हैं क्योंकि विदेशों में शिक्षा प्रणाली भारत की तुलना में अधिक उन्नत है और भारत में ऐसे पाठ्यक्रमों की व्यापक अनुपलब्धता है जो विदेशों में उपलब्ध हैं। भारत में छात्रों के बीच बढ़ती लोकप्रियता के साथ, विदेशों में शिक्षा छात्रों के लिए अपनी पूरी क्षमता हासिल करने का एक साधन बन रही है, साथ ही उनके व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए एक पूर्ण और आशाजनक करियर बनाने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए।

श्रेष्ठ शिक्षा

यद्यपि शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है और विकसित हो रहा है, उपलब्ध पाठ्यक्रमों में पाठ्यक्रम के लिए केवल एक सैद्धांतिक दृष्टिकोण है और पाठ्यक्रम के व्यावहारिक अनुप्रयोग का अभाव है। व्यावहारिकता की कमी के कारण, स्नातक करने वाले छात्रों में आवश्यक कौशल का अभाव होता है जो उनके करियर को बाधित करता है। इसकी तुलना में, विदेशों में विश्वविद्यालय और कॉलेज अपने छात्रों को सिद्धांत और व्यावहारिकता के बीच संतुलन के साथ सक्रिय रूप से संलग्न करते हैं। वे अपने छात्रों को अध्ययन के मामले में संलग्न करने में मदद करने के लिए कौशल से लैस करने के लिए कैंपस और ऑफ कैंपस दोनों तरह के अनुभव प्रदान करते हैं। विदेशों में शिक्षा प्रणाली के बारे में एक विशेषता पाठ्यक्रमों का लचीलापन है जो छात्रों को उनकी रुचि के आधार पर अपना पाठ्यक्रम चुनने देता है और उन्हें अंशकालिक काम करने की भी अनुमति देता है ताकि वे पढ़ाई के दौरान कमा सकें। विदेशी विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्र मजबूत पूर्व छात्रों के नेटवर्क का हिस्सा हैं। इन नेटवर्क में ऐसे लोग शामिल हैं जो वैश्विक कंपनियों के मालिक हैं और साथ ही महान विद्वान भी हैं। ये नेटवर्क छात्रों को स्नातक के बाद नौकरी के प्रस्ताव और सुरक्षित रोजगार प्राप्त करने में मदद करते हैं। विदेशों में नवाचार और प्रौद्योगिकी की एक मजबूत संस्कृति है जो छात्रों को अपने कौशल सेट को तेज करने और खुद को चुनौती देने के लिए विभिन्न विचारों के साथ विकसित और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। विश्वविद्यालय छात्रों को उनके पाठ्यक्रमों का अधिकतम लाभ उठाने में मदद करने के लिए छात्रवृत्ति के अवसर और वित्तीय सहायता सहायता भी देते हैं।

रोजगार की संभावनाएं

भारतीय छात्रों के विदेशों में अध्ययन करने के सबसे प्रमुख कारणों में से एक रोजगार है। छात्र विदेश में अध्ययन करना पसंद करते हैं और अंतरराष्ट्रीय योग्यता प्राप्त करते हैं क्योंकि यह उनके करियर की संभावनाओं को बढ़ाता है। योग्यता के अलावा, स्नातकों को उच्च वेतन मिलता है और नौकरी के अधिक अवसर मिलते हैं। भारत में घरेलू डिग्री की तुलना में अंतर्राष्ट्रीय योग्यताओं को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। कंपनियां उन्नत और अंतरराष्ट्रीय डिग्री वाले आवेदकों को पसंद करती हैं क्योंकि उनके पास उच्च कौशल सेट है। अधिक उन्नत डिग्री वाले कर्मचारी आमतौर पर कंपनियों में उच्च पदों पर भी होते हैं। एक अतिरिक्त बोनस यह है कि देश अब छात्र वीजा पर वापस रहने का विकल्प प्रदान करते हैं जो अंतरराष्ट्रीय छात्रों को अपने पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद वापस रहने और रोजगार की तलाश करने देता है। आपको विदेश में मिलने वाला वेतन भारत में उसी नौकरी के लिए मिलने वाले वेतन की तुलना में बहुत अधिक है। उद्योग में भारतीय छात्रों की लगातार बढ़ती मांग के साथ, अब छात्रों के लिए विदेश में अध्ययन करने का सही समय है।

अप्रवासन (Immigration)

संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के लिए, छात्र उस देश में आप्रवास के अंतिम लक्ष्य के साथ आवेदन करते हैं। एक बार जब छात्र रोजगार प्राप्त कर लेते हैं तो उन्हें स्थायी निवास के लिए आवेदन करने का अवसर प्रदान किया जाता है। कनाडा में छात्रों के लिए 3 साल की स्टे बैक पॉलिसी है जिसके दौरान वे वर्क वीजा और स्थायी निवास के लिए आवेदन कर सकते हैं। अमेरिका की 2 साल की स्टे बैक पॉलिसी है जिसके दौरान वे वीजा को वर्क वीजा में बदल सकते हैं। यूके ने अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को यूके में रोजगार तलाशने में मदद करने के लिए अपना 2 साल का स्टे बैक वर्क वीजा वापस लाया है। आप्रवासन स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन के लिए देश को तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करने वाले छात्र अपना कार्यक्रम पूरा करने के बाद काम के अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हैं और यह भारतीय छात्रों के लिए एक प्रेरक कारक साबित हुआ है।

कुछ अन्य कारक जो विदेश में अध्ययन करने के लिए एक छात्र के निर्णय को प्रभावित करते हैं, वे हैं सामर्थ्य, बहुसांस्कृतिक छात्र समुदाय और वातावरण जो विविध छात्र आधार का दावा करता है, मास्टर डिग्री के लिए लघु और त्वरित कार्यक्रम, जर्मनी जैसे देशों में भी अंग्रेजी में उपलब्ध कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला और फ्रांस, स्वच्छ परिवेश और आरामदायक जलवायु परिस्थितियों, कम ट्यूशन फीस, अनुसंधान के अवसर और एक जीवंत और महानगरीय जीवन शैली।

लाख कोशिशों के बाद भी नहीं कम हो रहा है वजन? दिनचर्या में यह बदलाव करके देखिए, मिलेगा लाभ

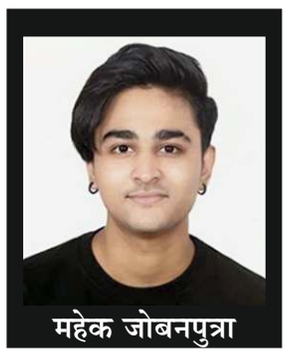

बढ़ते वजन को स्वास्थ्य विशेषज्ञ मौजूदा समय की सबसे बड़ी चिंता के तौर पर देखते हैं। वजन अधिक होने के कारण हृदय रोग, डायबिटीज जैसी कई तरह की बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। यही कारण है कि सभी लोगों को नियमित रूप से ऐसे उपाय करते रहने की सलाह दी जाती है जिससे वजन को नियंत्रित किया जा सके। इसके लिए जिम जाने से लेकर डाइटिंग तक, लोग तमाम तरह के प्रयास करते रहते हैं। क्या आप भी उनमें से एक हैं जो हजार कोशिशों के बाद भी वजन कम नहीं कर पा रहे हैं? ऐसे में आपको जीवनशैली में कुछ परिवर्तन करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को आज के समय में वजन बढ़ने का प्रमुख कारण माना जा रहा है। इसके अलावा जंक फूड्स के अधिक सेवन जैसी आदतें भी इस खतरे को बढ़ाती जा रही हैं। दिनचर्या में कुछ बदलाव करने से आपको अपना वजन कम करने और तमाम तरह की बीमारियों को दूर रखने में मदद मिल सकती है। आइए उन आदतों के बारे में जानते हैं जिनको प्रयोग में लाकर आपको लाभ मिल सकता है।

सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को कहें बाय

जैसी कि बताया गया है कि सेंडेंटरी लाइफस्टाइल वजन बढ़ने का प्रमुख कारण मानी जाती है, ऐसे में आपको नियमित रूप से व्यायाम जरूर करना चाहिए। सुबह के समय कुछ हल्के से मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधियां करने से वजन घटाने में मदद मिल सकती है। अधिक वजन वाली 50 महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि एरोबिक व्यायाम वजन को नियंत्रित रखने में मददगार हो सकते हैं। सुबह व्यायाम करने से भी पूरे दिन ऊर्जा का स्तर भी बेहतर बना रहता है, साथ ही रक्त शर्करा के स्तर को स्थिर रखने में भी मदद मिल सकती है।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं

यदि आप भी पूरे दिन में कम मात्रा में पानी पीते हैं तो आपकी यह आदत कई तरह की दिक्कतों को बढ़ा सकती है, जिसमें से वजन बढ़ना एक है। एक अध्ययन में पाया गया कि 500 मिली पानी पीने से मेटाबॉलिक रेट में औसतन 30% की वृद्धि होती है। एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि अधिक वजन वाली महिलाओं ने अपने आहार या व्यायाम दिनचर्या में कोई अन्य बदलाव किए बिना, प्रतिदिन एक लीटर अधिक पिया। एक साल में इससे 2 किग्रा तक वजन कम करने में मदद मिली। शरीर के स्वास्थ्य को कई स्तर से बेहतर बनाए रखने में भी पर्याप्त मात्रा में पानी पीने को लाभदाक माना जाता है।

अच्छी नींद लेना भी जरूरी

अगर आपको लगता है कि सिर्फ शारीरिक रूप से कुछ करते रहना ही वजन कम करने के लिए आवश्यक है तो ऐसा नहीं है, आपके लिए नींद भी उतनी ही जरूरी है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों की नींद की गुणवत्ता सही नहीं होती है, उनमें अन्य लोगों की तुलना में वजन बढ़ने का खतरा भी अधिक होता है। नींद आपको शारीरिक-मानसिक दोनों तरह से फिट रखने के लिए आवश्यक मानी जाती है। बेहतर स्वास्थ्य के लिए रोजाना रात में कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर सुनिश्चित करें।

संक्रमण से ठीक होने के बाद भी शरीर में छिपा रह सकता है वायरस, वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला दावा

भारत सहित दुनियाभर में फिलहाल कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट की रफ्तार थमती नजर आ रही है। कोरोना के कम होते रोजाना के मामले सुकून देने वाले हैं, पर स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खतरा अभी टला नहीं है इसलिए इस समय बचाव के उपायों को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, नए वैरिएंट्स के उभरने के साथ, कोरोनावायरस ने अपने मूल रूप से आकार को काफी बदल दिया है। अब यह मानव अंगों पर अलग तरह से हमला करता है। डेल्टा जैसे वैरिएंट से संक्रमण की स्थिति में लोगों को कई तरह की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कोरोना के खतरे को लेकर अध्ययनकर्ताओं की एक टीम ने बड़ा दावा किया है।

वैज्ञानिक बताते हैं कि लोगों को एक साथ कोरोना के कई वैरिएंट्स से संक्रमण हो सकता है, इतना ही नहीं कुछ वैरिएंट्स प्रतिरक्षा प्रणाली से बचकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों में छिपे भी रह सकते हैं। इससे संक्रमितों को पूरी तरह से कोविड-19 से छुटकारा पाना भी मुश्किल हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार संक्रमण की रिपोर्ट निगेटिव आ जाने का मतलब यह नहीं है कि आप ठीक हो गए हैं, अगर वायरस शरीर में छिपा रहता है तो इससे बाद में फिर दिक्कत बढ़ने का जोखिम हो सकता है।

शरीर में छिपा रह सकता है कोरोना का वायरस

नेचर कम्युनिकेशंस जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ता बताते हैं कि शरीर के अलग-अलग कोशिकाओं में कोरोना का वायरस लंबे समय तक जिंदा रह सकता है। इंग्लैंड के ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर इमरे बर्जर कहते हैं, ओमिक्रॉन और ओमाइक्रोन 2 (सबवेरिएंट BA.2) जैसे वैरिएंट्स कोरोना के मूल वैरिएंट से काफी अलग हैं। वायरस लगातार अपने रूप में बदलाव भी कर रहा है। हमे इससे बचाव की आवश्यकता है, क्योंकि अध्ययनों में मिल रहे संकेत चिंता बढ़ाने वाले हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

वायरस की प्रकृति के बारे में समझने के लिए शोधकर्ताओं की टीम ने टेस्ट ट्यूब में सिंथेटिक सार्स-सीओवी-2 वायरस बनाए जो बिल्कुल कोरोना वायरस की तरह थे। ये मानव कोशिकाओं में बढ़ नहीं सकते थे। इन कृत्रिम विषाणुओं का उपयोग करके, शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि फैटी एसिड के बाइंडिंग पर, वायरस के स्पाइक प्रोटीन के आकार में बदलाव आ गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह स्विचिंग की प्रकृति वायरस को प्रतिरक्षा प्रणाली से छिपने में मदद कर रही है।

इम्युनिटी बढ़ाने से लेकर पाचन को बेहतर रखने तक, अध्ययनों में इस फल को पाया गया है बहुत ही लाभदायक

शरीर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए रोजाना फलों-सब्जियों के सेवन की सलाह दी जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि फलों-सब्जियों का नियमित सेवन शरीर के लिए दैनिक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति करने में सहायक है। इतना ही नहीं कुछ फलों के सेवन को कई तरह की बीमारियों के खतरे को कम करने में भी प्रभावी माना जाता है। कीवी ऐसा ही एक अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक फल है जिसके सेवन से कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं। कोरोना के दौर में शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाने के लिए भी इस फल को काफी प्रयोग में लाया गया। कीवी इम्युनिटी बढ़ाने के साथ कई अन्य तरह के स्वास्थ्य लाभ को समाहित किए हुए होता है। अध्ययनों से पता चलता है कि कीवीफ्रूट पाचन से लेकर हृदय को सेहतमंद बनाए रखने तक में लाभदायक हो सकता है। एशियाई अध्ययनों से पता चला है कि कब्ज से छुटकारा दिलाने में इस फल का सेवन करना फायदेमंद हो सकता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन्स और अन्य पोषक तत्व शरीर को कई तरह से लाभ पहुंचा सकते हैं। आइए आगे की स्लाइडों में कीवी फल खाने से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

अध्ययनों में क्या पता चला?

अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन में बताया गया है कि कीवी फल पुराने कब्ज की समस्या को दूर करने में काफी कारगर साबित हो सकता है। मिशिगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के मुताबिक पुरानी कब्ज सहित पेट से संबंधित अन्य कई तरह की दिक्कतों में भी कीवी के सेवन को लाभदायक पाया गया है। यूएस मेडिकल सेंटर में पुराने कब्ज वाले 79 वयस्कों पर किए गए अध्ययन में इसके लाभ देखे गए हैं। आइए कीवी खाने से होने वाले अन्य फायदों के बारे में भी जानते हैं। अध्ययनों में कीवी के सेवन को हृदय रोगों में भी लाभदायक पाया गया है। कीवी खाने से उच्च रक्तचाप सहित हृदय रोग के जोखिम वाले कारकों को कम करने में मदद मिल सकती है। हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित 118 लोगों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि कीवी फल इसको नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : फरवरी माह के बीतते ही आपकी सारी परेशानियों का अंत हो जाएगा। मार्च का पहला सप्ताह नई संभावनाओं के द्वार खोल रहा है। नया कार्य-व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए उत्तम समय की प्रतीक्षा न करें, शुरू कर लें। नौकरीपेशा लोगों को भी उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। आपके कार्यों का सही आंकलन होगा।

वृषभ : व्यापार मार्च के इस पहले सप्ताह में गति पकड़ने वाला है। आपने बुरे वक्त में जिस धैर्य से काम लिया वही आपको आगे बढ़ने में मदद करेगा। निजी जीवन में संबंधों को सुधारने के लिए प्रयास करें, सफल होंगे। पारिवारिक जीवन में या दोस्तों से मनमुटाव की स्थिति ना आने दें। कोई विवाद हो तो आपसी बातचीत से हल कर लें।

मिथुन : मार्च के इस प्रथम सप्ताह में आप शारीरिक और मानसिक रूप से मतबूत रहेंगे सफलता पाने के लिए की गई कड़ी मेहनत का शुभ परिणाम मिलने वाला है। समाज और परिवार में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कोई सम्मान मिल सकता है। स्वजन के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

कर्क : व्यापारियों के लिए समय उत्तम आ रहा है। व्यापार में कोई बड़ा अनुबंध मिल सकता है जिससे बड़ा लाभ प्राप्त होगा। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिलेगा। उच्चाधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। सरकारी सेवा क्षेत्र में प्रमोशन के साथ तबादला हो सकता है। धर्म, अध्यात्म, योग आदि में रुचि बढ़ेगी।

सिंह : मार्च का यह पहला सप्ताह आपके आय के साधन बढ़ाने वाला रहेगा। भौतिक वस्तुओं की खरीदारी करेंगे। नया भवन, भूमि, खरीदने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। पैतृक संपत्ति को लेकर चल रहे मामले का निपटारा होगा। आर्थिक संपन्नता के लिए अब तक जो भी प्रयास आपने किए हैं वे साकार होंगे। विद्यार्थियों को परीक्षाओं में सफलता मिलेगी।

कन्या : सप्ताह का प्रारंभ शुभ समाचारों से होगा। बहुत लंबे समय से अटका हुआ कोई बड़ा काम पूरा हो जाएगा। आत्मविश्वास और ऊर्जा से भरे रहेंगे। प्रेम संबंधों की मजबूती के लिहाज से भी सप्ताह उत्तम रहेगा। बेरोजगारों को इस सप्ताह में काम मिल सकता है। नौकरी की तलाश पूरी होगी। कोई नया कार्य प्रारंभ करना चाहते हैं तो जरूर करें, सफलता मिलेगी।

तुला : यह सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करने वाला है। किसी को पैसा उधार भी देना पड़ सकता है। आपको अपने उन मित्रों की याद सताएगी जो किसी कारण से आपसे रूठे हुए हैं। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। इस सप्ताह सबसे ज्यादा भागदौड़ नौकरीपेशा को करनी पड़ सकती है। व्यापारियों को भी उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक : मार्च का पहला सप्ताह अच्छे अवसर लेकर आ रहा है। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, व्यापार, स्वास्थ्य सभी के लिहाज से लाभ के मौके आएंगे। आर्थिक संकट का हल निकलने वाला है। नया कार्य प्रारंभ करने के लिए यदि धन की आवश्यकता है तो वह काम भी बन जाएगा। जो जातक विदेशों में पढ़ाई, जॉब या बिजनेस का सपना संजोए हुए हैं।

धनु : भागदौड़ अत्यधिक रहेगी। आपको निजी और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन बनाकर चलना होगा। परिवार को वक्त देना बहुत जरूरी होगा। नौकरीपेशा और व्यापारियों को काम के साथ परिवार की जरूरतों पर भी ध्यान देना होगा। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं लेकिन उस पर पूरा फोकस करना होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से सप्ताह ठीक नहीं रहेगा।

मकर : सप्ताह आपके अनुकूल है। जिस भी काम को प्रारंभ करेंगे वह पूरा होगा। सोचे हुए सभी कार्य पूरे हो जाएंगे। नौकरी, व्यापार में सफलता प्राप्त होगी। प्रेम संबंधों में गर्माहट बनी रहेगी। प्रेमी-प्रेमिकाएं अपने संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे। आर्थिक स्थिति प्रबल रहेगी। किसी मित्र की मदद करनी पड़ सकती है।

कुंभ : इस सप्ताह किसी भी कार्य को पूरा करने में जल्दबाजी न करें। आराम से सोच-विचार कर ही कार्य करें। नौकरीपेशा लोगों को कार्यस्थल पर अधीनस्थों का सहयोग मिलेगा। निजी रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है इसलिए अपने निर्णय को दूसरों पर थोपने का प्रयास न करें। व्यापारी वर्ग को किसी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

मीन : घर-परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा। नए कार्य व्यवसाय की योजनाएं बनेंगी और उन्हें पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे। जीवनसाथी के साथ ही परिवार के बुजुर्गों को समय जरूर दें। संतानपक्ष के कार्यों को सराहना और सम्मान मिलेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। व्यापारियों को कार्य विस्तार के लिए प्रयास करना चाहिए।

सोनू: पापा, एक छोटा सा गेट-टुगेदर रखा है स्कूल में।
पापा: अच्छा, कौन-कौन आएगा?
सोनू: आप, मैं और प्रिंसिपल।

सर्दियों का सबसे बड़ा धर्मसंकट-
रात को रजाई ओढ़कर लेटे हो और तय नहीं कर पा रहे हो कि पानी पीने के लिए उठूं या नहीं।

एक मुर्गा अपने मालिक को खिड़की से बैठा देख रहा था।
मालिक बहुत बीमार था। मालिक की बीवी उसके बगल में बैठी थी।
बीवी बोली- आपको बहुत तेज बुखार है, मैं आपके लिए चिकन सूप बना लाती हूं।

परमाणु आतंक का सहारा ले रहा है रूस- पीएम जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि पुतिन चेर्नोबिल परमाणु दुर्घटना जैसी दूसरी घटना को अंजाम देना चाहते हैं। जेलेंस्की का यह बयान तब सामने आया है जब रूसी सेना ने जपोजिरिया न्यूक्लियर प्लांट पर हमला किया। उन्होंने कहा- रूस के अलावा किसी दूसरे देश ने न्यूक्लियर प्लांट पर हमला नहीं किया है। इतिहास में यह पहली बार है। रूस ने परमाणु आतंक का सहारा लेना शुरू कर दिया है। ब्रिटिश पीएम जॉनसन ने भी जपोरिजिया पर हमले के बाद पुतिन पर पूरे यूरोप को खतरे में डालने का आरोप लगाया है।

बातचीत में कुछ तो बात बनी

दोनों देशों के बीच शांति वार्ता के दूसरे दौर की बातचीत में ह्यूमैनिटेरिअन कॉरिडोर के निर्माण पर सहमति बनी है। इस कॉरिडोर के तहत युद्ध क्षेत्र के लोगों के बीच भोजन और दवा पहुंचाने का काम किया जाएगा। वार्ता के बाद यूक्रेन ने कहा कि इस बातचीत से संतुष्ट नहीं है, जल्द ही तीसरे दौर की बैठक बुलाई जाएगी।

रूसी खुफिया विभाग के प्रमुख बोले- हमारे पास एटमी ताकत, अमेरिका हल्के में न ले

रूसी विदेश मंत्री के बाद वहां के खुफिया विभाग SPY के प्रमुख सर्गेई नारिश्किन ने कहा कि रूस एटमी ताकत है और हमें अमेरिका हल्के में न ले। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध लगाना एक तरह का दिखावा है। अमेरिका यूक्रेन को कठपुतली बनाकर रखना चाहता है।

16,000 विदेशी वॉलंटियर कर रहे यूक्रेन की मदद- जेलेंस्की

जेलेंस्की ने कहा कि रूसी हमले के खिलाफ सेना के साथ-साथ 16,000 विदेशी वॉलंटियर ने भी यहां मोर्चा थामा है। उन्होंने दुनिया के और भी लोगों से साथ देने की अपील की है। एक वीडियो मैसेज में जेलेंस्की ने कहा कि हमारे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, सिवाय आजादी के।

पुतिन के प्रेस सेक्रेटरी सहित 66 नागरिकों के वीजा पर अमेरिका ने लगाया बैन

जंग के बीच अमेरिका ने शुक्रवार को रूस पर नया प्रतिबंध लगाया है। व्हाइट हाउस ने बताया कि पुतिन के प्रेस सेक्रेटरी देमित्री पेस्कोव सहित 66 रूसी नागरिकों के वीजा पर बैन लगाया गया है। इससे पहले अमेरिका ने रूस के डिफेंस एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध लगाया था। वहीं, एशियन इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक (AIIB) ने रूस और बेलारूस से जुड़े कारोबार को सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा अमेरिका ने यूक्रेन के लोगों को टेंप्रेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस देने का फैसला किया है। इससे यूक्रेन के नागरिक देश में 18 महीने तक बिना किसी रोक-टोक के ~~रह सकते हैं। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को 10 अरब डॉलर (करीब 75~~ हजार 911 करोड़ रुपए) सहायता राशि देने का प्रस्ताव भी अमेरिकी कांग्रेस को भेजा है।

विदेश राज्य मंत्री बोलीं- अब तक 9 हजार से ज्यादा छात्र सुरक्षित भारत पहुंचे

यूक्रेन से दिल्ली पहुंचे 219 छात्रों का विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी और IT राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्वागत किया। लेखी ने कहा- हम यूक्रेन और उसके आसपास के सभी देशों के संपर्क में हैं और वे हमारे नागरिकों और छात्रों को निकालने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन में फंसे छात्रों के माता-पिता से धैर्य रखने का अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि सरकार सभी छात्रों को सुरक्षित रूप से निकाल देगी। लेखी ने कहा- अब तक 9,000 से अधिक छात्र देश से देश लौट चुके हैं। यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के अभियान 'ऑपरेशन गंगा' के तहत अगले 24 घंटो में 18 विमान भारतीयों को लेकर लौटेंगे। शुक्रवार को 3,500 भारतीयों को स्वदेश लाया जाएगा। वहीं, शनिवार को 3,900 भारतीयों को वापस लाया जाएगा। शुक्रवार तड़के और फिर सुबह रोमानिया से भारतीयों को लेकर दो उड़ानें मुंबई पहुंचीं। रेल राज्यमंत्री रावसाहेब पाटिल दानवे ने यात्रियों का स्वागत किया।

10 मार्च तक सभी भारतीयों को निकालने का टारगेट

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को रेस्क्यू करके 10 मार्च तक भारत सरकार घर वापसी कराएगी। इसके लिए कुल 80 उड़ानों को लगाया जाएगा। इनकी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के लिए केंद्र सरकार के 24 मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी जा रही है। रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट से कुल 35 फ्लाइट्स आएंगी, इसमें एयर इंडिया की 14, एयर इंडिया एक्सप्रेस की आठ, इंडिगो की सात, स्पाइस जेट की एक, विस्तारा की तीन और भारतीय वायुसेना की दो उड़ानें शामिल हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से कुल 28 उड़ानें लगाई गई हैं।

सभी को सुरक्षित भारत पहुंचाएंगे- वनलालहुमा

स्लोवाकिया में भारत के राजदूत वनलालहुमा ने कोसिसे में कहा- अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि कब तक सभी छात्रों की वापसी हो जाएगी। आज दो फ्लाइट से करीब 400 छात्रों को भेजा गया। कल एक और फ्लाइट है। अगले 2-3 दिन में और भी छात्र यूक्रेन से यहां आएंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हर कोई सुरक्षित भारत पहुंच जाए।

सुरक्षित वतन वापसी:यूक्रेन से लौटे सूरत के 36 बच्चे, पोलैंड में जो भाई-बहन बिछड़ गए थे; वे सूरत में आकर मिले

यूक्रेन 36 छात्र गुरुवार शाम सूरत पहुंचे। ये बच्चे जब सर्किट हाउस पहुंचे तो उनके माता-पिता फूट-फूट कर रोने लगे। यूक्रेन से लौटे सगे भाई-बहन ध्रुव और कृशा ने भास्कर से बताया कि वे वहां बिछड़ गए थे और अब सूरत में मिल रहे हैं। वे मूल रूप से सौराष्ट्र के हैं और सूरत में पूणागाम में रहते हैं। उन्होंने बताया कि वे 11 दिसंबर 2021 को यूक्रेन गए थे। वे टर्नपिल शहर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे।

युद्ध की चर्चा के दौरान शुरुआत में हमने सोचा कि यह सामान्य है और जल्द सबकुछ ठीक हो जाएगा, स्थिति खराब हो गई। तीन दिन पहले करीब हम 300 लोग टर्नपिल से बस में बैठकर पोलैंड बॉर्डर पर पहुंचे थे। वहां लड़कियों को जाने दिया गया, लेकिन लड़कों को रोक लिया। वहां यूक्रेन के सैनिकों ने हमें डराया-धमकाया। सर्किट हाउस में पहुंचे जहां सभी परिजनों के चेहरे पर खुशी दिखी।

वहीं एक माता-पिता ऐसे थे, जिनकी बच्ची अभी भी यूक्रेन के सुमि शहर में फंसी है। रुबीना मिर्जा ने बताया कि मेरी बच्ची डुमसिया मिर्जा सुमि शहर में फंसी है। वहां से उसे कैसे लाया जाएगा कोई पता नहीं है।

यूक्रेन के सैनिकों ने लड़कियों को तो जाने दिया, लेकिन लड़कों को रोक लिया, फिर दूसरे रास्ते से पहुंचे थे पोलैंड

ध्रुव ने बताया कि बहन कृशा समेत सभी लड़कियां पोलैंड बॉर्डर से निकल गईं; लेकिन हम लड़के फंस गए। हम वहां से तीन किमी पीछे आए तो एक पेट्रोल पंप पर बस मिली, जो हमें दूसरे रास्ते से पोलैंड लेकर गई। किस्मत से जिस होटल में पहुंचे थे, वहां बहन भी थी। उसके बाद वहां से भारतीय वायुसेना के अलग-अलग विमानों से दिल्ली पहुंचे। दोनों के विमान के पहुंचने में एक घंटे का फर्क था।

सर्किट हाउस आई रुबीना मिर्जा ने बताया कि मेरी बच्ची सुमि शहर में फंसी है। उससे आज ही वीडियो कॉल पर बात हुई। वहां बमबारी हो रही है। मैं यहां इसलिए आई ताकि देख सकूं की बच्चे जब अपने घर लौटे हैं तो परिजनों को कितनी खुशी हो रही है। मेरी बच्ची के लिए प्रार्थना करें।

PMO के निर्देश के बाद वन सेवा अधिकारी कमलजीत सिंह रंधावा सस्पेंड, 540 करोड़ का लगाया था चूना

अहमदाबाद, भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारी कमलजीत सिंह रंधावा को प्रधानमंत्री कार्यालय के निर्देश के बाद सस्पेंड कर दिया गया है। उन पर कृषि नीति के तहत कंपनियों को मनमाने तरीके से 477 करोड़ रुपए दिलाने का आरोप है। गुजरात सरकार को करीब 540 करोड़ रुपये का चूना लगाने वाले कमलजीत सिंह लंबे समय तक राज्य सरकार के कृषि विभाग से जुड़े रहे हैं। सर्वग्राही तहसील व्यवसाय नीति 2016- 21 के तहत किसानों, कृषि उत्पादकों के नाम पर आईएफएस रंधावा ने गुजरात व देश की करीब 337 कंपनियों को 477 करोड़ रुपये अनियमित तरीके से आवंटित किए जिसके चलते उनके खिलाफ विभागीय जांच शुरू हो गई थी लेकिन उन्हें पद से हटाने के बजाय उत्तर गुजरात बिजली कॉरपोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बना दिया गया था। प्रधानमंत्री कार्यालय ने उनके खिलाफ हुई शिकायतों के मद्देनजर राज्य सरकार से उन से जुड़े सभी दस्तावेज मंगाए तथा उसके अवलोकन के बाद कमलजीत सिंह रंधावा के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद गुजरात सरकार ने रातों-रात रंधावा को पद से हटाने के साथ गांधीनगर नहीं छोड़ने की भी बात कही है। उप सचिव ने अपने आदेश में नर्मदा को टर्न इंडस्ट्री डीवी एग्री लेट्स एंजॉय मशरूम प्राइवेट लिमिटेड उमिया एग्रो कॉरपोरेशन चार कंपनियों को आईएफएस रंधावा ने नियमों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपये की सहायता पहुंचायी।

राजकोट के बिल्डर ने की आत्महत्या, 33 करोड़ की धोखाधड़ी का आरोप लगाया

अहमदाबाद, गुजरात में राजकोट के नामी एडवोकेट व भवन निर्माता महेंद्र फलदू ने अपने कार्यालय में ही जहर पीने के बाद खुदकुशी कर ली। अहमदाबाद के ओजोन बिल्डर ग्रुप के मालिकों पर उसने 33 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। राजकोट के महेंद्र फलदू ने मरने से पहले एक पत्र लिखा, जिसमें उसने बताया कि अहमदाबाद के बावला में तस्कनी बीच सिटी में उसने एक लाख वर्ग गज जमीन बुक कराई थी। 2007 में इसके लिए तीन करोड़ रुपये की पेशगी भी दी थी। अब इस जमीन की कीमत 33 करोड़ रुपये बताई जाती है, लेकिन ओजोन ग्रुप के बिल्डर जयेश पटेल, दीपक पटेल, प्रणय पटेल, अमित मेहता, एमएम पटेल, अतुल चौहाण जमीन के दस्तावेज नहीं बनवा रहे हैं। ओजोन ग्रुप के बिलडर राजकोट के एडवोकेट महेंद्र को लगातार प्रताड़ित कर रहे थे तथा फर्जी केस में फंसाने की धमकी दे रहे थे। बुधवार को महेंद्र ने एक सार्वजनिक पत्र लिखने के बाद जहर पी लिया, साथ ही फंदे पर भी झूल गया। महेंद्र ने पत्र में आरोप लगाया है कि ओजोन बिल्डर समूह के राज्य के कई बड़े अधिकारियों के साथ संबंध हैं तथा उनकी इस स्कीम में कई राजनेताओं की भी भागीदारी है। गौरतलब है कि जून, 2021 में अहमदाबाद में गोल्डमैन के नाम से चर्चित कुंजल पटेल ने संपत्ति विवाद को लेकर आत्महत्या कर ली थी।

कोरोना मुक्त हुआ पश्चिम रेलवे-सभी मेल-एक्स. ट्रेनों में जनरल टिकट पर यात्रा शुरू, चार माह की एडवांस बुकिंग वाली ट्रेनों में 1 जुलाई के बाद मिलेगा लाभ

दो वर्ष बाद मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों में जनरल टिकट पर यात्रा शुरू कर दी गई है। कोरोना के कारण मार्च 2020 से ट्रेनों में जनरल टिकट पर यात्रा बंद कर दी गई थी। जनरल टिकट पर यात्रा 1 मार्च से ही चालू कर दी गई है, लेकिन जिन ट्रेनों के सेकंड सीटिंग कोच की एडवांस बुकिंग अगले चार महीनों के लिए हो चुकी है, उनमें 1 जुलाई के बाद से जनरल यात्रा शुरू हो सकेगी।

एक जुलाई से सभी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के अनारक्षित कोचों में सीटों की बुकिंग बंद करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे ने अपने सभी मंडलों की ट्रेनों के लिए यह नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। उल्लेखनीय है कि 22 मार्च 2020 से अब तक सभी मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के अनारक्षित कोच में कोरोना प्रोटोकॉल के तहत जनरल यात्रा पर पाबंदी लगा दी गई थी।

अब कोरोना के पहले जैसी स्थिति में चलेंगी सभी ट्रेनें

जनरल टिकट पर यात्रा की अनुमति से यात्रियों को बड़ा लाभ मिल सकेगा। अब यात्री कोरोना के पहले जैसे जनरल डिब्बों में बिना रिजर्वेशन के यात्रा कर सकेंगे। पश्चिम रेलवे के पीआरओ प्रदीप शर्मा ने बताया कि रेलवे ने यह सुविधा 1 मार्च से शुरू कर दी है, लेकिन जिन ट्रेनों के अनारक्षित कोचों की अगले चार महीनों तक एडवांस बुकिंग हो चुकी है, उनमें 1 जुलाई से यह निर्णय लागू होगा। 1 जुलाई के बाद की अनारक्षित कोचों की बुकिंग बंद कर दी गई है।

सूरत-मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस

मुंबई मंडल की 52 ट्रेनों के जनरल कोचों की 4 माह की एडवांस बुकिंग

पश्चिम रेलवे ने बताया कि वर्तमान में मुंबई मंडल की 62 मेल-एक्सप्रेस ट्रेनों के जनरल कोचों की 1 जुलाई तक एडवांस बुकिंग हो चुकी है। इनमें उधना-दानापुर, उधना-वाराणसी, सूरत-छपरा, सूरत-महुवा, सूरत-मुजफ्फरपुर ट्रेनें भी शामिल हैं। अहमदाबाद मंडल की 52, वडोदरा मंडल की 5, भावनगर मंडल की 25, राजकोट मंडल की 21 और रतलाम मंडल की 35 ट्रेनों के जनरल कोच की एडवांस बुकिंग 1 जुलाई तक हो चुकी है। इन ट्रेनों के जनरल कोचों की 1 जुलाई के बाद की बुकिंग बंद कर दी गई है।

शाबाश! सूरत पुलिस-400 पोस्टर छपवाए और 250 पुलिसकर्मियों ने 200 सीसीटीवी खंगाल कर 15 घंटे में ढाई साल की बच्ची को खोज निकाला

सूरत शहर के पांडेसरा क्षेत्र में गुम हुई ढाई साल की बच्ची को पुलिस ने 15 घंटे में खोज निकाला। पांडेसरा से ही पिछले 8 महीने में 111 बच्चे गायब हो चुके हैं और पुलिस ने सभी को सकुशल खोजकर उनके माता-पिता को सौंप दिया। पुलिस की इस सफलता के पीछे उसके ह्यूमन और टेक्निकल सोर्स हैं। पांडेसरा पुलिस ने पिछले 8 महीने में 1 से 5 साल तक के 64 बच्चों को ढूंढा। वहीं, 6 से 10 साल तक के 21 और 11 से 15 साल तक के 21 बच्चे को खोजकर उनके माता-पिता को सौंपा। इसके अलावा 16 से 18 वर्ष तक की पांच लड़कियों को ढूंढ निकाला। पुलिस ने बताया कि बच्चों के गुम होने के मामले को गंभीरता से लिया जाता है। बच्चे का फोटो लेकर पोस्टर छपवाना, मुखबिरों से जानकारी लेना, आसपास के घरों में सर्च करना, सीसीटीवी कैमरे खंगालना और लोगों से लाउड स्पीकर से घोषणा करने जैसे तरीकों से बच्चों को खोज निकालते हैं।

तरीका: पोस्टर, लाउड स्पीकर से घोषणा, सर्च व सीसीटीवी से बच्चों तक पहुंचते हैं

पांडेसरा थाने के पुलिस इंस्पेक्टर अल्पेश चौधरी ने बताया कि बच्चे के गुम होने की जानकारी मिलने के बाद हम उसकी फोटो लेकर तुरंत प्रिंट करवा लेते हैं। उसके आधार पर पोस्टर छपवाते हैं। ये पोस्टर बच्चों के घर के आसपास के क्षेत्रों में चिपका देते हैं।

पुलिस की टीम मौके पर भी जाकर बच्चे के बारे में जानकारी जुटाती है। उसके बाद आसपास के क्षेत्रों में लाउड स्पीकर से बच्चे के बारे में घोषणा करते हैं। हमारी एक टीम सीसीटीवी कैमरे की

जांच करती रहती है। कई बार ऐसा होता है कि हमें 200 से 250 सीसीटीवी कैमरों की जांच करनी पड़ती है। कई बार 8 से 10 सीसीटीवी कैमरे की जांच में ही बच्चे मिल जाते हैं।

दंपती ने बच्ची को सुरक्षित रखा

बच्ची वडोद गांव स्थित साईं नगर के संजय बंसल और उनकी पत्नी पूजा को बच्ची वडोद गांव के आंबेडकर चौक पर घूमते मिली। दंपती ने बच्ची के परिवार को खोजने की कोशिश, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। देर रात होने के कारण उन्होंने बच्ची को खाना खिलाकर सुला दिया था।

700 से ज्यादा घरों में सर्च किया, तो वडोद में एक दंपती के पास मिली बच्ची

पांडेसरा के शास्त्री नगर में रहने वाले भोला चौधरी की ढाई साल की बेटी बुधवार शाम 7 बजे घर के पास खेलते-खेलते अचानक लापता हो गई। परिजनों ने खोजबीन की, लेकिन कहीं नहीं मिली। रात करीब 10 बजे पांडेसरा पुलिस की पीसीआर वैन दिखी तो भोला चौधरी ने पुलिसकर्मियों से अपनी बेटी के गुम होने की जानकारी दी। उसके बाद मामला पांडेसरा थाने के प्रभारी एपी चौधरी से होते हुए एसीपी तक पहुंच गया। पुलिस ने 200 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। 400 पोस्टर छपवाकर चिपकाए। लाउड स्पीकर से घोषणा की। 700 से ज्यादा घरों में सर्च किया। पांडेसरा, सचिन जीआईडीसी थाने की 15 टीमों के 250 पुलिस कर्मियों के अलावा क्राइम ब्रांच, एसओजी ने भी खोजबीन की। गुरुवार सुबह बच्ची अपने घर से एक किमी दूर एक दंपती के पास मिली।

85 के माता-पिता ने शिकायत की थी, 26 के माता-पिता को पुलिस ने ढूंढा

पांडेसरा पुलिस ने भेस्तान के उद्योग भारती स्कूल में डे केयर सेंटर शुरू किया गया है। नौकरीपेशा माता-पिता सुबह 8:00 बजे से रात 8:00 बजे तक अपने बच्चों को इस डे केयर सेंटर में छोड़कर जा सकते हैं। इस डे केयर सेंटर में शिक्षकों की व्यवस्था की गई है, जो बच्चों को पढ़ाते हैं। यही नहीं बच्चों के खेलने और खाने-पीने का भी पूरा इंतजाम सेंटर में किया गया है। पुलिस ने बताया कि 85 ऐसे बच्चे थे, जिनके माता-पिता ने गुमशुदगी की शिकायत की थी। उनकी शिकायत के आधार पर इन बच्चों को पुलिस ने ढूंढ निकाला था और उन्हें सौंप दिया था। वहीं 26 बच्चे लावारिस हालत में पांडेसरा के अलग-अलग इलाकों में मिले थे। बाद में पुलिस ने उनके माता-पिता को खोजकर उन्हें उन तक पहुंचाया।

गुजरात विधानसभा बजट सत्र: अवैध शराब की बिक्री और मादक पदार्थों को लेकर विपक्ष ने जमकर मचाया हंगामा

अहमदाबाद, गुजरात में शराबबंदी के बावजूद अवैध शराब की बिक्री होने, अडानी पोर्ट पर हजारों करोड़ का मादक पदार्थ पकड़े जाने, राज्य की सीमाओं पर पकड़े गए मादक पदार्थों के मामले में विधानसभा में विपक्ष ने खूब हंगामा किया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी जवाब देने के लिए खड़े हुए लेकिन विपक्ष के हंगामे के चलते वह जवाब पेश नहीं कर सके सदन को कुछ समय के लिए स्थगित करना पड़ा। गुजरात विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी के दौरान कांग्रेस विधायक भगा भाई बारड ने सौराष्ट्र के गिर सोमनाथ एवं राजकोट जिले में अवैध शराब तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार तथा उसके पकड़े जाने का सवाल उठाया । गृह राज्य

मंत्री संघवी ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि गुजरात पुलिस ने इस मामले में लगातार कार्रवाई करते हुए हजारों की संख्या में केस दर्ज किए हैं तथा शराब में नशीले पदार्थ के अवैध कारोबार पर काबू पाने का प्रयास किया। विधानसभा में कांग्रेस के उपनेता शैलेश परमार ने कहा वाइब्रेंट गुजरात, गतिशील गुजरात अब उड़ता गुजरात की ओर अग्रसर है। राज्य में बड़े पैमाने पर अवैध शराब की खरीद-फरोख्त हो रही है नशीले पदार्थ एवं शराब पड़ोसी राज्यों से बेरोकटोक गुजरात में पहुंचाए जा रहे हैं। विधायक परमार ने सीमावर्ती जिलों में तैनात पुलिस अधीक्षक की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि गुजरात के युवाओं के भविष्य के साथ मजाक हो रही है।

SPORTS खेल जगत

विराट का 100वां टेस्ट देखने मोहाली पहुंचे उनके भाई:विकास कोहली ने कहा- मैं चाहता हूं विराट ढाई साल का सेंचुरी का सूखा खत्म करें

विराट को कई कठिनाईयों का सामना करना पड़ा है। उनकी कड़ी मेहनत का ही फल है कि वो टीम इंडिया तक का सफर तय कर पाएं हैं।

विकास कोहली
(विराट कोहली के बड़े भाई)

भारत और श्रीलंका के बीच आज से शुरू हुआ पहला टेस्ट मैच विराट कोहली के लिए बहुत खास है। वे अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने मोहाली के स्टेडियम में उतरे हैं। विराट के 100 वें टेस्ट को यादगार बनाने के लिए उनके बड़े भाई विकास कोहली भी स्टेडियम में मौजूद हैं। साथ ही कोच राजकुमार शर्मा भी पहुंचे हैं।

कोहली के बड़े भाई विकास ने भास्कर से कहा कि हम विराट को शतक बनाते हुए देखना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वह शतक बनाकर अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाएं। विकास ने कहा कि विराट को यहां तक के सफर में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उनकी कड़ी मेहनत का ही फल है कि वो यहां तक का सफर तय कर पाएं हैं। हम फैन्स का भी शुक्रिया करना चाहते हैं, जिन्होंने हमेशा विराट का मनोबल बढ़ाया है। हम चाहेंगे कि फैन्स का यह प्यार हमेशा हमारे परिवार और भाई के साथ बना रहे। उन्होंने बताया कि विराट का यह ऐतिहासिक मैच देखने मां नहीं आ पाई हैं, लेकिन विराट के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा सर भी यहां पर आए हुए हैं।

कोहली को किया गया सम्मानित

मोहाली टेस्ट मैच पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली का 100वां टेस्ट है। कोहली 100 टेस्ट खेलने वाले दुनिया के 71वें और भारत के 12वें खिलाड़ी बने हैं। टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने विराट को 100वें टेस्ट की स्पेशल कैप सौंपी। इस दौरान मैदान पर कोहली के साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी थीं।

रणजी मैच में पिता के मौत के बाद भी टीम के लिए खेले

2006 में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान विराट के पिता का निधन हो गया था। इसके बावजूद उन्होंने खेलने का फैसला किया था। उनके साथ टीम में शामिल रहे पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पुनीत बिष्ट ने एक इंटरव्यू में बताया था कि हमारा मैच कर्नाटक के खिलाफ था। मैं और विराट दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद थे। मुकाबले के तीसरे दिन उन्हें पिता प्रेम कोहली के निधन की खबर मिली थी। मैं जब ड्रेसिंग रूम में पहुंचा, तब मैने कोहली को देखा। कमरे में सन्नाटा पसारा हुआ था। रोने के कारण विराट की आंखें लाल हो चुकी थीं।

कोहली के 100वें टेस्ट के दौरान उन्हें स्पेशल कैप दी गई। इस दौरान उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी मौजूद थीं।

कोहली के 100वें टेस्ट के दौरान उन्हें स्पेशल कैप दी गई। इस दौरान उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी मौजूद थीं।

तत्कालीन कप्तान मिथुन मन्हास और कोच चेतन चौहान ने कोहली को वापस घर लौटने के लिए कहा था। सबको लग रहा था कि विराट कम उम्र में इस सदमे को झेल नहीं पाएगा। कोच और कप्तान के अलावा सभी खिलाड़ियों की यही राय थी कि विराट को घर लौटना चाहिए था, लेकिन विराट नहीं चाहते थे कि टीम को बीच में छोड़ कर जाएं। वे डटे रहे और खेले। इस मैच में पुनीत ने 156 रनों की पारी खेली थी, जबकि विराट ने 90 रन बनाए थे।

मोहाली में 50 की औसत से रन बनाते हैं कोहली

मोहाली के PCA स्टेडियम में कोहली ने सिर्फ 3 टेस्ट मैच खेले हैं और लगभग 50 की औसत के साथ 199 रन बनाए हैं। इस मैदान पर खेली 6 पारियों में उन्होंने दो बार 50+ का स्कोर बनाया है। हालांकि, इस दौरान वह एक भी शतक नहीं बना सके। कोहली का सबसे बढ़िया प्रदर्शन नाबाद 67 रन रहा।

22 साल बाद टेस्ट में भारत की फुल टाइम कप्तानी एक मुंबईकर करेगा, 2000 में सचिन ने छोड़ी थी कमान

भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेलने उतरेगी। यह मैच टीम इंडिया के दो सबसे बड़े सुपरस्टार्स विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए भी काफी अहम है। विराट अपना 100 टेस्ट खेल रहे हैं तो रोहित इस फॉर्मेट में पहली बार कप्तानी कर रहे हैं। लीडरशिप के नजरिए से देखा जाए तो भारतीय टीम अब विराट युग से रोहित युग में प्रवेश कर रही है। साथ ही 22 साल के लंबे अंतराल के बाद मुंबई का कोई क्रिकेटर भारतीय टेस्ट टीम का फुल टाइम कैप्टन बना है।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद सचिन ने छोड़ी थी कप्तानी

रोहित शर्मा से पहले सचिन तेंदुलकर टीम इंडिया की फुल टाइम कप्तानी करने वाले आखिरी मुंबईकर थे। उन्होंने दो अलग-अलग टर्म में टीम की कमान संभाली। साल 2000 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी। उसके बाद से टीम इंडिया की फुल टाइम कप्तानी मुंबई के किसी क्रिकेटर को नहीं मिली थी। विराट कोहली की गैर हाजिरी में अजिंक्य रहाणे ने कुछ मैचों में पार्ट टाइम कप्तान के तौर पर टीम की कमान जरूर संभाली। पिछले 50 साल में टीम इंडिया के एक चौथाई कप्तान मुंबई से मुंबई भारतीय क्रिकेट का गढ़ भी रहा है। लंबे समय तक भारतीय टीम में भी मुंबई के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। यही वजह है कि कप्तान भी ज्यादातर मुंबई से हुए। पिछले 50 साल में यानी 1972 से अब तक 15 खिलाड़ियों को भारत की फुल टाइम कप्तानी मिली। इनमें से 4 मुंबई से थे। 1972 में अजीत वाडेकर टीम के कप्तान थे। इसके बाद सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और सचिन तेंदुलकर ने टीम की कमान संभाली। रवि शास्त्री और अजिंक्य रहाणे जैसे पार्ट टाइम कप्तान भी मुंबई से आए।

बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर और घरेलू क्रिकेट में दबदबे से मिला था मुंबई को फायदा भारतीय क्रिकेट में मुंबई के दबदबे के पीछे सबसे बड़ी वजह घरेलू क्रिकेट में मुंबई का बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। हाल तक रणजी ट्रॉफी में किए प्रदर्शन को टीम इंडिया में सिलेक्शन का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता था। मुंबई ने रिकॉर्ड 41 बार यह टूर्नामेंट जीता है लिहाजा बाकी टीमों की तुलना में उसके ज्यादा खिलाड़ी भारतीय टीम में भी आए। इसके अलावा मुंबई में क्रिकेट इन्फ्रास्ट्रक्चर भी देश के बाकी हिस्सों से बेहतर था। अंग्रेजों ने क्रिकेट को मुंबई में लोकप्रिय बनाया था। मुंबई जिमखाना और क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया जैसी फैसिलिटी मुंबई ने तैयार कर रखी थी। इसलिए देश के अन्य हिस्सों से भी युवा क्रिकेट में करियर बनाने के लिए मुंबई का रुख करते थे।

गांगुली और धोनी ने जमाया था पूरब का सिक्का एक जमाने में बंगाल, बिहार जैसी ईस्ट जोन की टीमों से भारत के कप्तान नहीं आते थे।

लेकिन, सौरव गांगुली ने इस क्रम को बदल दिया और उनकी कप्तानी के दौरान भारतीय क्रिकेट में मुंबई का दबदबा भी कम हुआ। गांगुली ने साल 2000 से 2006 तक टीम की कप्तानी की। इसके बाद राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले के रूप में दो कप्तान कर्नाटक से आए। 2008 में टेस्ट टीम की कप्तानी एक बार फिर ईस्ट जोन के खिलाड़ी के पास आ गई। ये खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी थे। उन्होंने 2015 तक टेस्ट में भारत की अगुवाई की। रोहित का कप्तान बनना मुंबई के दबदबे की वापसी नहींB C C I के एक सीनियर अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि रोहित को कप्तान बनाया जाना एक सामान्य घटनाक्रम है।

देश परदेश

यूक्रेन में कितने न्यूक्लियर प्लांट, जपोरिजिया में आग के बाद पावर सप्लाई पर कितना असर?

रूस के ताबड़तोड़ हमलों में अब यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट भी निशाना बन रहे हैं। शुक्रवार (चार मार्च) सुबह रूस की गोलीबारी से यूक्रेन के जपोरिजिया पावर प्लांट में आग लग गई, जिसके बाद पूरी दुनिया में दहशत का आलम है। दरअसल, यहां से परमाणु विकिरण फैलने की आशंका बढ़ गई है। साथ ही, यूक्रेन में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई है। इसके अलावा यूक्रेन का दावा है कि जपोरिजिया पावर प्लांट पर रूस ने कब्जा भी कर लिया है। इस स्पेशल रिपोर्ट में हम जानते हैं कि यूक्रेन में कुल कितने पावर प्लांट हैं? उनमें से कितने काम कर रहे हैं और कितनी बिजली सप्लाई कर रहे हैं। वहीं, जपोरिजिया पावर प्लांट में आग लगने से यूक्रेन के लोगों पर क्या असर पड़ेगा? यूक्रेन में कुल कितने पावर प्लांट? जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन के अलग-अलग हिस्सों में कुल चार न्यूक्लियर प्लांट जपोरिजिया, रिवन, खमलनेत्स्की और दक्षिण यूक्रेन में हैं, जिनसे 15 न्यूक्लियर रिएक्टर संचालित होते हैं। एक फरवरी को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन के सभी न्यूक्लियर रिएक्टर काम कर रहे थे और इलेक्ट्रिकल ग्रिड को पावर सप्लाई कर रहे थे। हालांकि, रूस के हमले के बाद 15 में से छह न्यूक्लियर रिएक्टर ने काम करना बंद कर दिया था, जिससे यूक्रेन में बिजली आपूर्ति में भारी कमी आ गई थी। वहीं, खारकीव, ओडेसा, क्रीमिया और चेयेरियन में न्यूक्लियर प्लांट निर्माणाधीन हैं। कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस में परमाणु विश्लेषक जेम्स एम. एस्टन ने बताया कि सामान्य रूप से न्यूक्लियर प्लांट्स को वॉर जोन की तरह तैयार नहीं किया जाता है। यही वजह है कि रूस के हमले की वजह से यूक्रेन के न्यूक्लियर रिएक्टर लगातार निशाना बन रहे हैं।

यूक्रेन के ऊर्जा उत्पादक शहर निशाने पर

गौरतलब है कि रूस लगातार यूक्रेन के ऊर्जा उत्पादक शहरों को निशाना बना रहा है। सबसे रूसी सेनाओं ने चर्नोबिल प्लांट पर धावा बोला था और उस पर कब्जा कर लिया था। हालांकि, यह प्लांट काफी समय से बंद पड़ा था। इसके बाद शुक्रवार सुबह जपोरिजिया प्लांट पर हमला किया गया, जिससे वहां आग लग गई। रूस की सेना ने इस पर भी कब्जा कर लिया है। इसके अलावा रूसी सेना ने ओडेसा और मारियोपोल शहरों को भी अपने नियंत्रण में लेना शुरू कर दिया है। इन दोनों शहरों में यूक्रेन का एक चौथाई बिजली उत्पादन होता है। जपोरिजिया में आग के बाद जेलेंस्की ने दिया यह बयान

जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने के बाद अधिकारियों ने बताया कि प्लांट के सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और रेडिएशन का स्तर भी सामान्य है। इस दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस पर परमाणु आतंक का सहारा लेने का आरोप लगाया। साथ ही, कहा कि पुतिन 1986 के चर्नोबिल हादसे को दोहराना चाहते हैं।

भारतीयों के लिए 130 बसें तैयार: रूस की बड़ी पहल, खारकीव व सूमी में फंसे भारतीयों व अन्य लोगों को निकाला जाएगा

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बाहर निकालने के लिए रूस भी आगे आया है। रूस की ओर से 130 बसें तैयार की गई हैं। इन बसों से भारतीय छात्रों को यूक्रेन सीमा पार करवाई जाएगी। उन्हें रूस के बेलगोरोड में लाया जाएगा।

रूसी राष्ट्रीय रक्षा नियंत्रण केंद्र के प्रमुख कर्नल जनरल मिखाइल मिजिट्सेव ने बताया कि, 130 बसों के माध्यम से भारतीय व अन्य विदेशी छात्रों को खारकीव व सूमी के निकालकर रूस लाया जाएगा।

भारत ने रूस से किया था संपर्क

यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के लिए भारत सरकार की ओर से ऑपरेशन गंगा चलाया गया है। इसके तहत भारत सरकार कई

देशों से संपर्क साध रही है। इसी क्रम में भारत ने रूसी दूतावास से भी संपर्क साधा है। भारत में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने इसकी पुष्टि की थी। अलीपोव ने कहा था कि हम खार्किव और पूर्वी यूक्रेन के अन्य क्षेत्रों में फंसे भारतीयों के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमें रूस के क्षेत्र के माध्यम से वहां फंसे सभी लोगों को आपातकालीन निकासी के लिए भारत के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। पुतिन ने किया बड़ा खुलासा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने जंग के बीच बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन ने करीब तीन हजार भारतीय छात्रों को बंधक बनाया है। हम भारतीय छात्रों को बाहर निकालने में पूरी मदद करेंगे। रूसी सेना की ओर से रिहायशी इलाकों में हमला नहीं किया जा रहा है। यूक्रेन ने इन इलाकों में सैनिक और टैंक तैनात किए हैं। कोई फासिस्ट ही ऐसा कर सकता है। पुतिन ने कहा कि यूक्रेनी सेना विदेशियों को जाने नहीं दे रही है। रूसी सैनिकों ने बंधकों को रिहा कराया है। भारत इस संकट की गहराई को समझता है: रूसी राजदूत इससे पहले डेनिस अलीपोव ने कहा था कि हम भारत के साथ रणनीतिक सहयोगी हैं। संयुक्त राष्ट्र में प्रदर्शित संतुलित स्थिति के लिए हम भारत के आभारी हैं।

पाकिस्तान: बदले सियासी समीकरण बता रहे अब पीएमएल-क्यू के हाथ में है इमरान सरकार का भविष्य?

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ पाकिस्तान मुस्लिम लीग (क्यू) के नेताओं की मंगलवार को हुई मुलाकात के बाद देश में ताजा सियासी समीकरणों को लेकर कयास तेज हो गए हैं। पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों के मुताबिक पीएमएल-क्यू का समर्थन पाने के मकसद से ही इमरान खान ने इसके सर्वोच्च नेताओं से भेंट की। सियासी हलकों में इसको लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज ने बुधवार को दावा किया पीएमएल-क्यू समर्थन दे या नहीं, विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव कामयाब होकर रहेगा।पीएमएल-क्यू के पांच वोट अहम पीएमएल-एन के नेता शाहिद खकन अब्बासी ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- 'यह पीएमएल-क्यू को फैसला करना है कि वह सरकार से चिपकी रहेगी या जनता के पक्ष में खड़ी होगी।' राष्ट्रीय संसद नेशनल असेंबली में पीएमएल-क्यू के पांच सदस्य हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान ये पांच वोट बेहद अहम होंगे। समझा जाता है कि उन पांच वोटों से पलड़ा किसी एक तरफ झुक सकता है। पाकिस्तान के अखबार द न्यूज की एक खबर के मुताबिक इमरान खान से मुलाकात के दौरान

पीएमएल-क्यू के नेता चौधरी शुजात हुसैन और परवेज इलाही ने उन्हें अपना समर्थन देने का भरोसा दिया। इन दोनों नेताओं को इमरान खान ने अपने निवास पर आमंत्रित किया था। बताया जाता है कि बातचीत के दौरान इमरान खान ने पीएमएल-क्यू के नेताओं को भरोसा दिया कि पंजाब प्रांत के बारे में उनकी तमाम शिकायतें दूर की जाएंगी। उसके बाद खबर आई कि पीएमएल-क्यू की शिकायतों को तुरंत दूर करने के लिए संघीय सरकार ने पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार और संबंधित संघीय मंत्रियों को निर्देश जारी किए हैं। उधर पीएमएल-क्यू की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया कि पार्टी नेताओं ने प्रधानमंत्री को विपक्ष के नेता शाहबाज शरीफ के साथ हुई अपनी मुलाकात के बारे में बताया। बयान में कहा गया- पार्टी नेताओं ने इस मामले में प्रधानमंत्री को भरोसे में लिया। सत्ता पक्ष का मनोबल बढ़ा उधर अखबारों में इस मुलाकात को लेकर कई तरह की कहानियां छपी हैं। एक अखबार ने पीएमएल-क्यू के सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि इस मुलाकात के दौरान अविश्वास प्रस्ताव पर कोई चर्चा नहीं हुई। उधर एक अन्य रिपोर्ट में तीन सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इस बातचीत के दौरान राजनीति की ही चर्चा नहीं हुई। इस दौरान पीमएल-क्यू के नेताओं ने इमरान खान की हाल की रूस यात्रा की तारीफ भर की।

महाशिवरात्रि पर एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर एकता जैन ने लिया 'अर्धनारीश्वर' का रूप

एकता जैन भगवान शिव (अर्धनारीश्वर) के रूप में शूटिंग करने स्कूटी पर बैठकर गई। एकता जैन भगवान शिव की रोज़ पूजा करती हैं। इस साल इन्होने महाशिवरात्रि के दिन अर्धनारीश्वर रूप में डमरू और त्रिशूल के साथ डांस किया और भगवान शिव की पूजा की। इनका मेक अप किया था रीमा नंदी और उनकी दोस्त कृष्णा आर्या ने। इस मेकअप और शूटिंग के बारे में एकता जैन ने बताया की उन्हें मेक अप के लिए तीन घंटे लगे फिर शूटिंग में पूरा दिन लगा। एकता जैन ने शगुन, शाकालाका बूम बूम, फैमिली नंबर 1 और अपुन तो बस वैसा ही जैसे टीवी शो में विभिन्न भूमिका निभाई हैं। एकता ने कहा, "मुझे खुशी है कि मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का मौका मिला।" एकता जैन बॉलीवुड की कई फिल्मों जैसे शतरंज , खली बली और त्राहिमाम का हिस्सा रही हैं। एकता जैन ने शतरंज में एक पुलिसवाले और त्राहिमाम में एक वकील की भूमिका निभाई है।इन्होने एक अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म की शूटिंग और डबिंग भी पूरी कर ली है और उम्मीद कर रही है कि 2022 में इन्हे विभिन्न प्लेटफार्मों से काम करने को मिलेगा। सोशल मीडिया में कम समय में इतना नाम पाकर एकता कहती हैं की मुझे इतना प्यार देने के लिए मैं अपने सभी फैंस को धन्यवाद देना चाहती हूं।" हर हर महादेव।

मीडियामैक्स एंटरटेनमेंट पेश करता है एक भावपूर्ण ट्रैक 'ओ भोले'

मीडियामैक्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत करता है 'ओ भोले' जिसमें सनी के, संगीत: सुशील कुमार बोघी, गायक / गीत: राज कुमार, कैमरा और पोस्ट-प्रोडक्शन: रेग-डी प्रोडक्शन, संपादक: रेगन दादू (रेग-डी), प्रोजेक्ट डिज़ाइन: डीजे शेजवुड (आशीष चंद्र) और अवधारणा और निर्देशन: मनीषा कौशल "ओ भोले" के बारे में सोचें और पहली बात जो दिमाग में आती है वह है धीमी गति की धुनें और शास्त्रीय संगीत वाद्ययंत्र लेकिन मेडियामैक्स एंटरटेनमेंट और डीजे शीज़वुड युवाओं को उनके आध्यात्मिक आत्म से फिर से

जोड़ने के लिए इस गाने में दुर्गंध लाते हैं। "हे भोले" श्रोताओं के दिलों और दिमागों में ज्ञान और सच्चाई के दीपक जलाएगा ताकि वे अपने भीतर के अंधेरे की ताकतों को दूर कर सकें और अपनी सहज प्रतिभा और अच्छाई को चमकने दें। मीडियामैक्स एंटरटेनमेंट की मनीषा कौशल कहती हैं "हे भोले हमारे युवाओं के आध्यात्मिक पक्ष को इस तरह से प्रज्वलित करने का हमारा ईमानदार प्रयास है, जो उन्हें जड़ से रखता है, गीत को इस तरह से बनाया गया है कि यह दर्शकों के साथ तुरंत जुड़ जाएगा ।"

मूवी रिव्यू-अमिताभ बच्चन की 'झुंड' की कहानी में दम, इमोशंस की कमी है; नागराज की फिल्म को क्रिटिकल एक्लेम मिलेगा

अमिताभ बच्चन एक प्रोफेसर हैं जो रिटायर होने वाले हैं। पास वाली झोपड़पट्टी की बस्ती के बच्चों को सिगरेट, शराब, ड्रग आदि लेते हुए देखकर उन्हें एक तरकीब सूझती है। वो उन गुमराह बच्चों को फुटबॉल खेलने के लिए रोज खुद की सेविंग से 500 रुपए देते हैं। लड़के और लड़कियां धीरे-धीरे सुधरते नजर आते हैं। करते-करते, प्रोफेसर साहब की झोपड़पट्टी फुटबॉल टीम को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिलती है। इस बीच में, टीम और प्रोफेसर को बहुत सारे पापड़ बेलने पड़ते हैं।

नागराज पोपटराव मंजुले किस कहानी में थोड़ा दम तो है क्योंकि यह संदेश देती है कि खाली दिमाग (जो शैतान का घर होता है) को किसी भी काम में लगा देना चाहिए। पर मैसेज के अलावा, कहानी में ज्यादा कुछ नहीं है और इसके कारण हैं। एक तो, यह कुछ देर बाद दम तोड़ देती है क्योंकि वही बातें दोहराई जाती हैं। दूसरी बात यह कि कहानी में वह भावुकता का हाई पॉइंट जो आना चाहिए, वह नहीं आता है। मंजुले का स्क्रीनप्ले बहुत ज्यादा लंबा और खींचा हुआ है। इससे दर्शक को काफी बार बोरियत महसूस होती है। झोपड़पट्टी टीम इतनी शानदार टीम कैसे बनी, यह दिखाने के बजाय, बार-बार, उनका खेल और खेल के बीच के झगड़ों पर ज्यादा जोर दिया गया है। टीम के संघर्ष पर ज्यादा ध्यान दिया जाता तो मजा भी आता और भावनाएं भी जागरूक होती, दर्शकों को रोना भी आता, जो ऐसी फिल्मों में बहुत जरूरी होता है। कहने का मतलब है, इस फिल्म में रोमांस के साथ-साथ, इमोशंस की भी कमी है। हां, कॉमेडी बहुत रियल लगती है मगर वह भी काफी नहीं है। कई सारे ट्विस्ट और टर्न प्रिडिक्टेबल हैं।

एक्टिंग: अमिताभ बच्चन ने प्रोफेसर विजय बोराडे की भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। उनका किरदार नाशिक के प्रोफेसर विजय बरसे पर आधारित है। विजय बरसे ने नागपुर में झोपड़पट्टी में रहने वाले बच्चों के लिए स्लम सॉकर ऑर्गेनाइजेशन का आयोजन किया था। लेकिन बच्चन का हर जगह पर बच्चों के हक के लिए 'भीख' मांगना थोड़ा अटपटा लगता है, ऐसा लगता है जैसे कि राइटर को अपने ही किरदार पर विश्वास ना हो। अंकुश गेडम 'डॉन' अंकुश के किरदार में चमकते हैं। किशोर कदम प्रोफेसर विजय बोराडे के सहकर्मी की भूमिका में अपनी एक छाप छोड़ते हैं। आकाश ठोसर न सिर्फ खूबसूरत लगते हैं लेकिन काम भी अच्छा किया है। रिंकू राजगुरु एक छोटे रोल में खरी उतरती हैं।

डायरेक्शन एंड म्यूजिक: नागराज मंजुले का निर्देशन औसत है। वह एक दमदार फिल्म जो दर्शक को खूब रुलाती और हंसाती, नहीं बना पाए। अजय-अतुल का संगीत ठीक-ठाक है। गानों के बोल जुबान पर आसानी से नहीं चढेंगे। साकेत कनेटकर का पार्श्व संगीत इससे कई बेहतर होना चाहिए था। अंडरडॉग्स की कहानी में जब तक बैकग्राउंड म्यूजिक रोंगटे नहीं खड़े कर दे, मतलब नहीं बनता। सुधाकर यक्कांति रेड्डी का कैमरा वर्क औसत से ऊपर है। संकलन (कुतुब इनामदार और वैभव धवाड़े) कमजोर है।

कंक्लूजन: कुल मिलाकर, झुंड को क्रिटिकल एक्लेम मिलेगा लेकिन टिकट खिड़की पर कोई खास बात नहीं होगी।

रणदीप हुए हॉस्पिटलाइज्ड: 'इंस्पेक्टर अविनाश' की शूटिंग के दौरान रणदीप हुड्डा को लगी चोट, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में हुई घुटने की सर्जरी

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा का हाल ही में मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में घुटनों का ऑपरेशन हुआ है। दरअसल पिछले महीने 'इंस्पेक्टर अविनाश' के सेट पर एक सीन की शूटिंग के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी, जिसकी उन्होंने सर्जरी कराई। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें 1 मार्च को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था।

रणदीप ने फैन्स को नहीं बताया सर्जरी के बारे में

मीडिया को फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सेट पर एक सीन के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी और अब उन्हें इलाज के लिए 1 मार्च को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं रणदीप ने अपने घुटने की चोट और सर्जरी को लेकर अभी तक सोशल मीडिया पर कुछ भी शेयर नहीं किया है। इससे पहले साल 2020 में भी रणदीप को एक सर्जरी करानी पड़ी थी। उस वक्त भी उनके पैर का ऑपरेशन कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल में ही हुआ था।

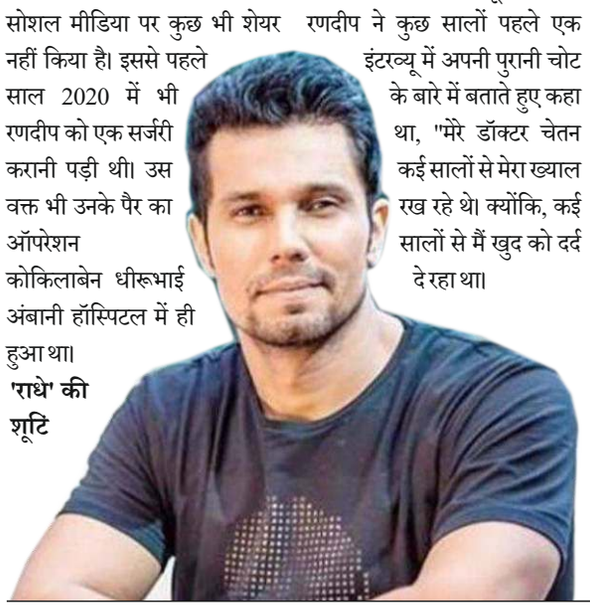

'राधे' की शूटिंग के दौरान भी रणदीप को लग चुकी है चोट

रणदीप को उस समय चोट अचानक नहीं लगी थी। उन्हें चोट सलमान खान की फिल्म 'राधे' की शूटिंग के वक्त हुए हादसे के कारण लगी थी। स्टंट सीन करने के दौरान उनका घुटना चोटिल हुआ था, जिसके बाद उन्हें कोकिलाबेन अस्पताल ले जाया गया था। वह स्टंट सीन एक कोरियाई टीम द्वारा डिजाइन किया गया था और 18 टेक होने के बाद उनका घुटना चोटिल हो गया था, जिसकी उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी। रणदीप के पिता, रणबीर हुड्डा जो खुद एक डॉक्टर हैं। वो पूरे समय अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान उनके साथ ही थे।

रणदीप के पैर में पड़ चुके हैं प्लेटें और स्क्रू

रणदीप ने कुछ सालों पहले एक इंटरव्यू में अपनी पुरानी चोट के बारे में बताते हुए कहा था, "मेरे डॉक्टर चेतन कई सालों से मेरा ख्याल रख रहे थे। क्योंकि, कई सालों से मैं खुद को दर्द दे रहा था।

दंगल टीवी के लोकप्रिय शो रक्षाबंधन में महाशिवरात्रि का महा एपिसोड, क्या डीएम की जान बचा पाएगा शिवा?

दंगल टीवी के मोस्ट पॉपुलर शो रक्षाबंधन रसाल अपने भाई की ढाल में महाशिवरात्रि का महा एपिसोड आने वाला है। शिवरात्रि के उत्सव के दौरान हमलावर जिला के डीएम पर जानलेवा हमला करने वाले हैं। ऐसे में क्या शिवा उनकी जान बचा पाएगा, इसके लिए आपको अपकमिंग एपिसोड देखना होगा।

शिवा का रोल कर रहे निशांत मल्कानी ने बताया कि आज के सीक्वेंस में यह दर्शाया जा रहा है कि महाशिवरात्रि के पर्व के अवसर पर अपने जिला के डीएम साहेब को हमने पूजा के लिए बुलाया है। उनके आने से पहले खबर मिलती है कि कुछ हमलावर उनकी हत्या करना चाहते हैं। शिवा हमलावरों को जानता है, पहचानता है इसलिए वह खुद इस फंक्शन में डीएम को बचाने के लिए आया है। हमारे शो में शिवा का एक हमशक्ल आया हुआ है, जो एक अपराधी है। तो आज शिवा का मकसद यह है कि किसी तरह भी डीएम की जान बचानी है और सभी हमलावरों को पुलिस के हवाले करना है। हर बार शिवा एक्शन करता है लेकिन इस बार दर्शक देखेंगे कि कैसे वह अपने दिमाग से हमलावरों के छक्के छुड़ा देता है। उन्हें लगता है कि उनका मिशन सफल हो गया है मगर क्लाइमेक्स में एक ऐसा ट्विस्ट आता है जो दर्शकों के लिए भी आश्चर्यजनक जनक होगा। रक्षाबंधन शो को दर्शक पिछले एक साल से खूब प्यार दे रहे हैं, मैं तमाम ऑडिएंस फैन्स का शुक्रिया अदा करता हूँ।

चकोरी का रोल कर रही नायरा बनर्जी ने बताया कि मैं चकोरी हू और मैं फिर महारानी बनकर रहूंगी। हमारे गाँव में कुछ हमलावर आ गए हैं तो फिलहाल हम सब ने अपने निजि मामलों को किनारे कर दिया है क्योंकि मामला गांव और देश की सुरक्षा का आ गया है। हम सब एक टीम बनकर कुछ करने की कोशिश कर रहे हैं। शिवरात्रि की पूजा के दौरान हमारे डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आए हुए हैं, जिनपर हमला होने वाला है लेकिन हम सब मिलकर उन बदमाशों का सत्यानाश करेंगे।नायरा ने आगे कहा कि शीन दास मेरी बहुत अच्छी दोस्त है मैं खुश हूं कि वह भी हमारे शो में आ गई हैं।

वह बहुत सुंदर लग रही है और ऑडिएंस को भी एक नया चेहरा देखने को मिल रहा है।

बिजली का रोल कर रही शीन दास ने बताया कि आज हम गुमराह करने वाले कॉस्ट्यूम में हैं क्योंकि मैं आम सभा मे आई हूं, वहां के लोगों की तरह दिखना चाहती हूँ, पकड़ में नहीं आना चाहती इसलिए यह लुक धारण किया है। ताकि हम जिस मकसद से यहां आए हैं वो पूरा हो सके। निशांत मल्कानी के साथ काम करके काफी अच्छा लग रहा है, वह बेहतरीन एक्टर तो हैं ही बड़े ही अच्छे इंसान भी हैं। नायरा तो मेरी बहुत अच्छी दोस्त है।

रसाल का रोल कर रही वर्षा शर्मा ने बताया कि हमारे सीरियल रक्षाबंधन में महाशिवरात्रि का उत्सव मनाया जा रहा है। रसाल शिवा भाई को रोकेगी डीएम साहेब को गोली मारने से क्योंकि हमलावर मेरे भाई को रसाल का एक वीडियो दिखाकर यह कहते हैं कि अगर तुमने हमारी बात नहीं मानी तो हम तुम्हारी बहन को मार देंगे। इस सीक्वेंस में काफी ड्रामा, इमोशन, एक्शन है। सोशल मीडिया पर मुझे काफी अच्छे कमेंट्स मैसेज आ रहे हैं लोगों ने मेरे फैन पेज बना लिए हैं। लोग रसाल और शिवराज से जुड़ चुके हैं।

बता दें कि दंगल टीवी के शो रक्षाबंधन में नायरा बनर्जी, निशांत मल्कानी, वर्षा शर्मा, वैशाली ठक्कर सहित कई कलाकार हैं। सीरियल में शीन दास की नई एंट्री हुई है। दंगल टीवी पर सीरियल रक्षाबंधन सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे प्रसारित किया जाता है।

रूस-यूक्रेन वॉर:सोनू सूद ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों की मदद की, बोले- यह मेरा सबसे मुश्किल असाइनमेंट

रूस यूक्रेन के बीच जंग जारी है। यूक्रेन में इस वक्त भी हजारों भारतीय छात्र फंसे हुए हैं। इस हालात में एक्टर सोनू सूद एक बार फिर मसीहा बनकर वहां छात्रों की मदद की है। यूक्रेन से लौटे कई छात्रों ने बताया कि कैसे युद्ध के हालात के बीच सोनू और उनकी टीम में छात्रों की मदद की।

सोनू सर ने हमारी मदद की

हर्षा नाम की छात्रा ने बताया, हम यहां कीव में फंसे हुए हैं। सोनू सूद सर और उनकी टीम ने हमें यहां से निकलने में मदद की है। हम लोग ल्वीव के लिए निकल गए हैं जो कि एक सेफ जगह है। वहां से हम भारत के लिए आराम से पहुंच जाएंगे।

नई उम्मीद देने के लिए धन्यवाद

वहीं चारू ने बताया कि मैं कीव से निकल रही हूं। सोनू सर ने सही समय पर हेल्प की, कुछ समय बाद हम ल्वीव पहुंच जाएंगे। वहां से हम आज रात पोलैंड बॉर्डर क्रॉस करेंगे। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद आपने और आपकी टीम ने हमें एक नई उम्मीद दी है।

यह मेरा सबसे मुश्किल असाइनमेंट: सोनू

सोनू सूद ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'यूक्रेन में हमारे स्टूडेंट्स के लिए काफी मुश्किल समय और शायद अब तक का मेरा सबसे मुश्किल असाइनमेंट। सौभाग्य से हम कई स्टूडेंट्स को बॉर्डर पार करके सुरक्षित क्षेत्र में जाने में मदद करने में सफल रहे। आइए कोशिश करते रहें, उन्हें हमारी जरूरत है।' सोनू सूद पोस्ट में भारत सरकार, विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास को भी धन्यवाद भी किया है।

सोशल मीडिया: ऋतिक रोशन की कथित गर्लफ्रेंड सबा के लिए एक्टर के परिवार ने भेजा खाना, एक्ट्रेस ने फोटो शेयर लिखा खास मैसेज

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। दावा है कि ऋतिक रोशन अभिनेत्री सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों में ही, ऋतिक और सबा को एक साथ कई बार स्पॉट किया जा चुका है, जिस वजह से फैंस भी इन दोनों के रिश्ते के बारे में सवाल करने लगे हैं। इन सब खबरों के बीच अब सबा आजाद ने ऋतिक रोशन के परिवार के लिए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने ये बताया है कि ऋतिक का परिवार उनका बेहद ध्यान रखता है और इस बात से वह भी बहुत खुश हैं। दरअसल, सबा आजाद इन दिनों थोड़ा बीमार हैं और ऐसे मौके पर ऋतिक रोशन का परिवार सबा का ध्यान रख रहा है।

अभिनेता के परिवार ने सबा के लिए खाना भेजा था, जिसकी झलक सबा ने अपनी इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर दिखाई है। सबा ने खाने की फोटो शेयर की है। इसके साथ ही सबा ने कैप्शन में लिखा है, 'जब आप घर पर बीमार होते हो लेकिन आपको खाना खिलाने के लिए बेस्ट लोग होते हैं।' इस तस्वीर को सबा ने कंचन रोशन, पशमीना रोशन को टैग किया है और साथ ही हाथ जोड़ने वाली इमोजी पोस्ट की। इससे पहले, ऋतिक रोशन ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर सबा आजाद की एक तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में सबा नसीरुद्दीन शाह के बेटे इमाद शाह के साथ नजर आ रही थीं। सबा और इमाद पुणे अपने बैंड के साथ आ रहे थे, जिस वजह से ऋतिक ने सबा आजाद को बधाई दी थी। ऋतिक का ये पोस्ट आग की तरह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। सबा आजाद ऋतिक रोशन और उनके परिवार के साथ लंच भी एंजॉय कर चुकी हैं। कुछ समय पहले रविवार को सबा ने ऋतिक के परिवार से साथ लंच किया था। इस मौके की एक तस्वीर ऋतिक रोशन के चाचा राजेश रोशन ने शेयर की थी। इस तस्वीर के साथ लिखा था, 'खुशियां हमेशा आपके आसपास होती हैं। खासकर रविवार के दिन.....स्पेशली लंच टाइम पर।' वर्क फ्रंट की बात करें एक्टर ऋतिक रोशन जल्द ही फिल्म 'विक्रम वेधा' में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा वह फिल्म 'फाइटर' में भी दिखाई देंगे। वहीं सबा आजाद हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज रॉकेट बॉयज में नजर आई थीं।

हेमा मालिनी ने मिथुन चक्रवर्ती के साथ किया रोमांटिक डांस

'हुनरबाज' कलर्स टीवी का पॉपुलर रियलिटी शो है, जो इन दिनों फैंस के बीच धमाल मचा रहा है। इस रियलिटी शो को करण जौहर, परिणीति चोपड़ा और मिथुन चक्रवर्ती जज कर रहे हैं। वहीं, अब इस वीकेंड पर इस रियलिटी शो में बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी बतौर गेस्ट आने वाली हैं। शो में आकर हेमा मालिनी सभी के साथ खूब मस्ती करनी वाली हैं। इतना ही नहीं, वह और मिथुन चक्रवर्ती एक-दूसरे के साथ रोमांटिक डांस करते नजर आएंगे, जिससे वहां मौजूद सभी को 80-90 के दशक की याद आ जाएगी। दरअसल, कलर्स चैनल के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस एपिसोड का एक प्रोमो वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें हेमा मालिनी शो में एंट्री लेती हुई दिख रही हैं। तो दूसरी तरफ, मिथुन चक्रवर्ती हेमा मालिनी को देखकर थोड़ा डांस करने लगते हैं। मिथुन चक्रवर्ती का ये अंदाज देखकर हेमा मालिनी के चेहरे पर भी मुस्कुराहट आ जाती है।

कैंपस ओरिएंटेशन प्रोग्राम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षार्थी को पाठ्यक्रम सामग्री, नौकरी की रूपरेखा और पाठ्यक्रम आचरण के विस्तृत पैटर्न के बारे में पूरी तरह से अवगत होना चाहिए। पारंपरिक कार्यक्रमों में परिवर्तन हुए हैं और विभिन्न प्रकार की विशेषज्ञताओं और विशिष्ट व्यावसायिक क्षेत्रों में विविधता आई है।

ज्ञान और कौशल के ऐसे नवोन्मेषी और उभरते क्षेत्रों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए, माध्यमिक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि वे किसी विशेष कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का निर्णय लेने से पहले कैंपस ओरिएंटेशन कार्यक्रमों में जाएं और उनमें भाग लें।

तकनीकी शिक्षा संस्थानों द्वारा एक दिवसीय परिसर अभिविन्यास कार्यक्रम विभिन्न कार्यक्रमों के उम्मीदवारों को प्रत्यक्ष अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए एक महान पहल है। ये कार्यक्रम परिसर में बुनियादी सुविधाओं का अनुभव प्रदान करते हुए संस्कृति से परिचित होने में मदद करते हैं। पहले से ही कार्यक्रम से गुजर रहे छात्रों द्वारा परामर्श सत्र, विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच बनाने में मदद करता है और प्रवेश परीक्षा की प्रक्रिया और पूर्व-योग्यता की तैयारी पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है।

उम्मीदवारों को सुविधाओं से परिचित कराने के लिए परिसर के दौरे की योजना बनाई गई है। कक्षा सत्र के बाद लघु अभ्यास और प्रदर्शन के लिए प्रयोगशालाओं का दौरा करना पाठ्यक्रम संचालन के तरीके के बारे में जागरूकता पैदा करता है। ये अंतर्दृष्टि उम्मीदवारों को अच्छी तरह से गठित निर्णय पर पहुंचने की अनुमति देती है और यह सुनिश्चित करती है कि उच्च शिक्षा के अनुसरण के लिए चयनित कार्यक्रम अपेक्षाओं के अनुरूप हो।

पूर्व छात्रों के साथ-साथ, उद्योग की आवश्यकताओं पर एक सिंहावलोकन देने वाले उद्योग विशेषज्ञ, योग्यता की प्रकृति, कौशल सेट और पेशेवर कैरियर के अवसरों को पूरी तरह से समझने के लिए आकांक्षी के बीच एक संवाद बनाते हैं । इस तरह के पाठ्यचर्या संबंधी अंतःक्रियाओं के माध्यम से विकसित नेटवर्क अक्सर दीर्घकालिक संघों के रूप में जारी रहते हैं, जो उपयुक्त करियर विकल्प निर्णयों को चैनलाइज करने में मदद करते हैं। इस तरह के कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक उम्मीदवार तकनीकी संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं ताकि वे कैंपस ओरिएंटेशन प्रोग्राम के माध्यम से प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त कर सकें। आर्किटेक्चर और इंटीरियर डिजाइन के लिए कैंपस ओरिएंटेशन प्रोग्राम से संबंधित अधिक पूछताछ के लिए www.tsapmumbai.in की वेबसाइट पर जा सकते हैं।

के सेरा सेरा ने देश के पहले वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो को बनाने के लिए महेश भट्ट और विक्रम भट्ट के साथ हाथ मिलाया

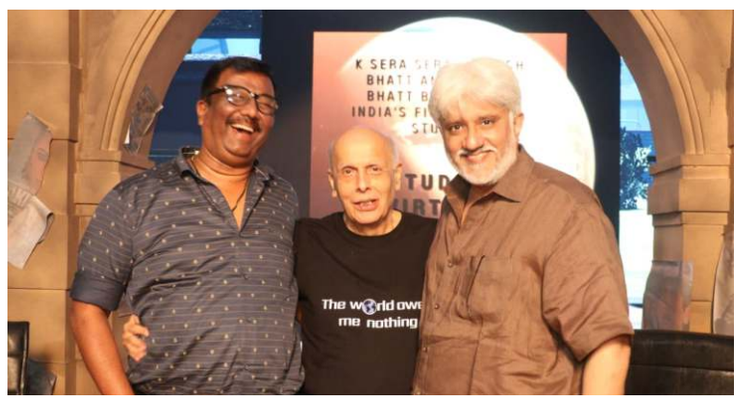

के सेरा सेरा बॉक्स ऑफिस प्राइवेट लिमिटेड भारत में सबसे बड़ा डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक का अग्रणी रहा है। यह देश भर के निर्माताओं को बेहतरीन गुणवत्ता और नए युग वाले इनोवेटिव फिल्म साधन प्रदान करने के लिए लगातार कोशिश कर रहा है। और उस नजरिए को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं महेश भट्ट और विक्रम भट्ट के साथ भारत का पहला वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो - स्टूडियो वर्चुअल वर्ल्डस बनाने और पेश करने के लिए साझेदारी की है!स्टूडियो वर्चुअल वर्ल्ड्स निर्माताओं को उनकी जरूरतों के अनुसार फिल्मांकन के नए तरीकों, एक नए युग की तकनीकी टीम, विज़ुअलाइज़ेशन, पोस्ट-प्रोडक्शन, एडिटिंग के क्षेत्रों में सपोर्ट प्रदान करेगा। यह पता चला है कि इस वर्चुअल स्टूडियो को विशेष रूप से अनंत दुनिया और माहौल बनाने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा जो स्टूडियो में आने जाने को अनावश्यक बना देगा। यह फिल्मों, टीवी सीरियल्स और विज्ञापन के कंटेंट प्रोडक्शन के लिए सभी तरह की शूटिंग के लिए एक बेहतरीन समाधान होगा। निर्माता को शूटिंग के लिए किसी लोकेशन पर जाने की जरूरत नहीं होगी बल्कि खुद लोकेशन निर्माता के पास आ जाएगी।इस जॉइंट वेंचर के बारे में चेयरमैन सतीश पंचारिया ने बताया कि, "इस स्टूडियो का नाम वर्चुअल वर्ल्ड्स बिल्कुल उपयुक्त है, क्योंकि यह हर संभव, असंभव और काल्पनिक दुनिया के साथ मीडिया इंडस्ट्री की सेवा करने का इरादा रखता है। कुल मिलाकर कहा जाए तो स्टूडियो वर्चुअल वर्ल्ड्स भारत का पहला ऐसा वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो होगा, जहां प्राकृतिक दृश्य, खुली ज़मीन, अंदरूनी लोकेशन, विशाल सेट, छोटे सेट, अपार्टमेंट, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, अदालतें, जेल, अंतरिक्ष यान सबकुछ होंगे, आप किसी भी लोकेशन का नाम लें और यहां वह मौजूद होगी।"विक्रम भट्ट भी कहते हैं, "वर्चुअल प्रोडक्शन की सोच और तकनीक न सिर्फ बेहतर रचनात्मक परिणाम ला सकती है, बल्कि शूटिंग के समय को कम करने और आने जाने, रहने खाने, आउटडोर शूटिंग की वजह से होटल में रहने की लागत जैसे खर्च को कम करने में भी मदद कर सकती है। वर्चुअल प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी शूटिंग की क्षमता बढ़ाने और महंगे रीशूट से बचने में बहुत मददगार साबित होगी।"यह स्टूडियो मुंबई में स्थित होगा। फिल्म की शूटिंग के इस नए माध्यम के बारे में बात करते हुए, विक्रम भट्ट कहते हैं, "अपने वर्चुअल स्टूडियो के साथ हम मुख्यधारा की हिंदी फिल्मों, क्षेत्रीय फिल्मों, ओटीटी प्रोजेक्ट्स, म्यूज़िक वीडियो और टेलीविजन के साथ हाथ मिलाएंगे। मौजूदा हालात में, भारत में कई विदेशी कंपनियों के निवेश के साथ बाजार में भारतीय कंटेंट की मांग दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। वर्चुअल वर्ल्ड्स आपको आपके रुपये की पहले की तुलना में बहुत अधिक कीमत देगी। हमारा वर्चुअल प्रोडक्शन स्टूडियो पूरे प्रोजेक्ट को बहुत कुशलता के साथ सेटअप करने में मदद करेगा और हम प्रोड्यूसर्स को बेहतर क्वालिटी में फाइनल आउटपुट देंगे।"स्टूडियो वर्चुअल वर्ल्ड्स के साथ, के सेरा सेरा ग्रुप विभिन्न प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस करने की योजना बना रहा है, ऐसे प्रोजेक्ट्स जो भविष्य पर भी नजर रखते हैं और दर्शकों को अभी क्या चाहिए वह भी ध्यान में रखते हैं।

मीरा भाईदंर मनपा शाला के 36 विद्यालयों में स्वच्छता अभियान

संवाददाता।भाईदंर, मीरा भायंदर मनपा प्रशासन द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण, मांझी वसुंधरा जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं. इस अभियान के तहत मनपा द्वारा विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इन विभिन्न पहलों का उद्देश्य इन पहलों के माध्यम से मीरा भायंदर शहर के आम नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है। इसी के तहत आयुक्त ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि मीरा भायंदर मनपा के सभी स्कूलों को साफ करने की जरूरत है मनपा आयुक्त ने स्वच्छता के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने की पृष्ठभूमि में डॉ नानासाहेब धर्माधिकारी के शताब्दी दिवस के अवसर पर नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान द्वारा 1 मार्च को प्रातः 8 बजे मीरा भायंदर मनपा के कुल 36 विद्यालयों एवं परिसरों की सफाई की गयी। इसमें विद्यालय के सभी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों ने विद्यालय की सफाई के लिए उपस्थित सफाईकर्मियों एवं सुरक्षा गार्डो के साथ नानासाहेब धर्माधिकारी प्रतिष्ठान के सहयोग से सफाई अभियान को सफलतापूर्वक किया गया।

टिकट चेकिंग आय मामले मे मुबंई मध्य रेलवे मंडल का बेहतरीन प्रदर्शन

संवाददाता। मुंबई मुबंई मध्य रेलवे मंडल का मध्य रेल टिकट चेकिंग अभियान बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बिना टिकट/अनियमित टिकट पर यात्रा / बिना बुक किए गए सामान ले जाने वाले यात्रियों के खिलाफ निरंतर अभियान के तहत फरवरी 2022 के महीने में 3.41 लाख मामलों को पकड़ा और 20.88 करोड़ रुपये जुर्माने के रूप में वसूल किए है अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 की अवधि के दौरान, कुल 31.10 लाख मामले पकड़े गए और 186.53 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जो कि सभी क्षेत्रीय रेलवे में राजस्व के मामले में सबसे अधिक है।इस अभियान के दौरान 52,765 व्यक्तियों ने कोविड अनरूप व्यवहार का पालन नहीं करने और मास्क नहीं पहनने पर 84 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

13 कर्मचारियों को महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

संवाददाता। मुंबई पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों के 13 कर्मचारियों को ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन में किये गये उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को जनवरी, 2022 और फरवरी, 2022 के महीनों के दौरान ड्यूटी में उनकी सतर्कता तथा अप्रिय घटनाओं को रोकने और इस प्रकार ट्रेन के सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उनके योगदान की सराहना के तौर पर सम्मानित किया गया।13 कर्मचारियों में से पाँच-पांच कर्मचारी अहमदाबाद मंडल और वडोदरा मंडल से 2 कर्मचारी राजकोट मंडल से और 1 कर्मचारी रतलाम मंडल से हैं। इस बैठक में विभिन्न विभाग के प्रमुख विभागाध्यक्षों (PHOD) ने भाग लिया, जबकि सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। जानकारी अनुसार महाप्रबंधक लाहोटी ने सम्मानित किए जा रहे कर्मचारियों की सतर्कता की सराहना की और इसका उल्लेख किया कि वे सभी के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल फ्रैक्चर, हॉट एक्सल, ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, पिनियन जैम, टूटे हुए ओएचई ड्रॉपर वायर, वैगनों में फ्लैट टायर आदि में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के प्रति अपना उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई।

थाईलैंड के विला में बेहोश मिले थे शेन वॉर्न, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

दुनिया के महान स्पिनरों में शुमार ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न का निधन हो गया है। वह 52 साल के थे। फॉक्स स्पोर्ट्स न्यूज के मुताबिक, वॉर्न थाईलैंड के कोह सामुई में थे। माना जा रहा है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा था। वॉर्न की मैनेजमेंट टीम की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, कोह सामुई के एक विला में शेन बेहोश पाए गए थे। बाद में उन्हें बचाया नहीं जा सका।

मनपा पार्क का उद्धाटन महापौर और आयुक्त की उपस्थिति मे रविवार को

संवाददाता । भाईदंर मनपा प्रशासन द्वारा आरक्षित भुखंड क्रमांक 230 में ग्रीन यात्रा ने अपनी लागत पर 10,000 पौधे लगाए हैं और इस उद्यान को विकसित किया है। पार्क का उद्धाटन समारोह 5 मार्च 2022 शनिवार को प्रातः 11.00 बजे होगा महापौर ज्योत्सना हस्नाले एवं मनपा आयुक्त दिलीप ढोले, उप महापौर हसमुख गहलोत स्थायी समिति के अध्यक्ष राकेश शाह, सदन के नेता प्रशांत दलवी, नेता प्रतिपक्ष धनेश पाटिल, वृक्ष प्राधिकरण समिति सदस्य अध्यक्ष महिला एवं बाल कल्याण समिति, अध्यक्ष परिवहन, मान. वार्ड समिति अध्यक्ष नं. 1 से 6, समूह के नेता और नगरसेवक, अपर आयुक्त, उपायुक्त, नगर अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं अधिकारियों/कर्मचारियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

सबसे पहले संस्था की ओर से उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत नर्सरी से किया जाएगा। उसके बाद सोनी म्यूजिक टीम के सदस्य रजत कक्कड़ और सुमित चटर्जी ने गणमान्य व्यक्तियों को कार्यक्रम और मिया वॉकी अवधारणा के बारे में जानकारी दी। पार्क का उद्धाटन मेयर व कमिश्नर करेंगे। उसके बाद हरित यात्रा के माध्यम से पार्क में लगाए गए विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों की जानकारी दी जाएगी।

पार्क में मेयर, कमिश्नर एवं उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।मीरा भायंदर के सभी नागरिकों को उक्त पार्क का अवलोकन करने की अपील कर रहा है जिसे शहर में पहली बार मिया वॉक अवधारणा को लागू करके बनाया जाएगा।

लिटिल स्टार भौत्तिक को इंटरनेशनल ग्लोरी अवार्ड

सिनेमा और समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

मुंबई , लिटिल स्टार भौत्तिक को इंटरनेशनल ग्लोरी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

सिने एवम टीवी आर्टिस्ट भौत्तिक को सिनेमा और समाज के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया है। इंटरनेशनल वर्चुएल इवेंट में चाइल्ड आर्टिस्ट भौत्तिक को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सयुक्त राष्ट्र प्रतिनिधि यू एस ए आर के शाह विशिष्ट अतिथि पदमश्री डॉ. विजय शाह , वर्ल्ड हेल्थ यूनिवर्सिटी शिकागो के कुलपति डॉ. वारा , प्रो. डॉ. इवान गैसीना (क्रोसिया) सहित राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रों की कई जानी मानी हस्तिया उपस्थित रही। सम्मान समारोह का आयोजन अंतर्राष्ट्रीय संस्था धराधाम के तत्वधान में किया गया था। संस्था प्रमुख डॉ. सौरभ पांडेय ने बताया कि लिटिल स्टार भौत्तिक को सिनेमा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ज्यूरी ने इस सम्मान के लिए चुना है। इंटरनेशनल सम्मान के लिए चुने जाने पर भौत्तिक ने अपनी प्रतिकिया देते हुए कहा कि य ये उनके लिए बेहद गौरव का विषय है, इस सम्मान के लिए मै ज्यूरी के साथ साथ अपने प्रसंसको को शुक्रिया कहना चाहुगा। लिटिल स्टार ने कहा कि पब्लिक फिगर होना बेहद चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, लोग आपको देखते है प्यार करते है ये सही है पर वो आपकी जीवनशैली को फॉलो भी करते है ऐसे में हमें अपने लुक्स के साथ साथ बहुत सी बातों का खास ध्यान रखना पड़ता है इसमें कैरेक्टर बहुत महत्वपूर्ण है। मै हमेशा कोशिश करता हु कि अच्छे से अच्छा काम करू और लोगो को प्रेरित कर सकूँ। प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज़ नहीं होती और ना ही इसका दायरा सीमित होता हैं बस सच्ची लग्न, मेहनत और दृढ़ इच्छा हो असंभव कुछ भी नहीं इसी बात को साबित किया है । भौत्तिक को इससे पहले 2020 में यंग लीडरशिप अवार्ड के साथ साथ ग्लोबल पीस अम्बेस्डर इंटरनेशनल आइडल अंतर्राष्ट्रीय सम्मान ले साथ साथ ग्लोबल एचीवर अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। नन्हे सितारे मास्टर भौत्तिक ने मायानगरी में अपनी अलग पहचान बना चुके लिटिल स्टार भौत्तिक ने अपनी कला प्रतिभा के दम पर वर्ष 2020 के सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार का ख़िताब अपने नाम किया है । मॉडलिंग की दुनिया से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले भौत्तिक अभी तक टीवी से लेकर हॉलीवुड तक के प्रोजेक्ट में नजर आ चुके है । इन दिनों वो ज़ी टीवी के प्राइम शो अपना टाइम भी आएगा में दिखाई दे रहे है जहाँ उनके किरदार को बहुत पसंद किया जा रहा है। कार्यक्रम का सफल संचालन वर्ल्ड हेल्थ यूनिवर्सिटी शिकागो के कुलपति डॉ. वारा ने किया।

परेल श्री के चौथे संस्करण की प्रेस कॉन्फ्रेंस की घोषणा में आसिम रियाज और विंदू दारा सिंह ने पहली बार श्री मनीष अडविलकर और श्री दीपक चौहान के नेतृत्व में प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए मंच साझा किया था

- ***मुख्य कार्यक्रम- 6 मार्च 2022 को श्री षणमुखानंद ललित कला और संगीत सभा में***
- ***प्रतियोगिता का प्रसारण Iस्पोर्ट चैनल पर किया जाएगा***

एक पेशेवर खेल के रूप में शरीर सौष्ठव मानव शरीर के मांसपेशियों के विकास को बढ़ाने और सामान्य स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए व्यायाम का एक आहार है। एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, शरीर सौष्ठव का उद्देश्य कलात्मक फैशन में स्पष्ट मांसपेशियों, समरूपता और समग्र सौंदर्य प्रभाव की परिभाषा को प्रदर्शित करना है। मूल रूप से भारत में, शरीर सौष्ठव को एक पेशेवर खेल नहीं माना जाता था, हालांकि यह भारत में धीरे-धीरे विकसित और आगे बढ़ा है। प्रशंसकों की संख्या और खेल के प्रति प्रेम में हाल के वर्षों में भारी वृद्धि देखी गई है, जहां शरीर सौष्ठव को अब कई लोगों के पेशेवर करियर के रूप में स्वीकार किया गया है।

परेल श्री इन सपनों को शरीर सौष्ठव उद्योग में ऊंची उड़ान भरने के लिए मुंबई के सबसे बड़े प्लेटफार्म में से एक है। इसने लॉकडाउन से पहले अपना तीसरा संस्करण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और 6 मार्च 2022 को इसके चौथे संस्करण को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस संस्करण में पूरे मुंबई उपनगर के प्रतिभागी शामिल होंगे और यह शहर की सबसे बड़ी और सबसे बड़ी बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिताओं में से एक होगी। अभी तक देखा है। संस्थापक और मालिक श्री मनीष अडविलकर अपने सह-मालिक श्री दीपक चौहान के साथ भारत में सबसे पसंदीदा खेलों में से एक तक पहुंचने के लिए शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता आयोजित करने और खेल को पेशेवर रूप से लेने का लक्ष्य रखने वाले प्रतिभागियों के लिए विभिन्न कैरियर के अवसर खोलने की कल्पना करते हैं। COVID-19 की महामारी के कारण दुनिया ने सबसे बुरे प्रभावों को देखा, हालांकि, यह दुनिया द्वारा सीखा और स्वीकार किया जाता है कि मनुष्यों की फिटनेस और प्रतिरक्षा ने महामारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्वास्थ्य और फिटनेस उद्योग आज देश के सबसे तेजी से बढ़ते उद्योगों में से एक है। परेल श्री प्रत्येक संस्करण के साथ प्रतियोगिता को "बड़ा और बेहतर" बनाने की कल्पना करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उत्साही लोगों को इस उद्योग में बढ़ाने के लिए समर्थन और प्रेरित किया जाए।

आसिम रियाज कहते हैं, "बॉडीबिल्डिंग न केवल एक फिट बॉडी बनाता है, बल्कि फिट दिमाग भी बनाताहै।

बॉडी बिल्डिंग शब्द सब कुछ कहता है। इन प्रतिभागियों को इतना अद्भुत मंच देने केलिए परेल श्री को बधाई"

विंदू दारा सिंह कहते हैं, "बॉडी बिल्डर्स के परिवार से आने के कारण, मुझे इन प्रतिभागियों का समर्थन करने में बहुत खुशी हो रही है, उन्हें शुभकामनाएं और प्यार।"

प्रतियोगिता में प्रतियोगिता की दो श्रेणियां शामिल थीं

1) पेशेवर शरीर सौष्ठव - खुले पुरुषों की श्रेणी और शारीरिक रूप से विकलांगों के लिए
श्रेणी

2) काया प्रतियोगिता - दो ऊंचाई श्रेणियां (पुरुषों के लिए) परेल श्री खेल को अगले स्तर तक ले जाने के मिशन पर हैं। समर्थन और प्यार उद्योग में लोगों और उत्साही लोगों से इसे संभव बनाया जाएगा।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।